राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार 28 फरवरी 2026 वर्ष-9,अंक-36 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बांके बिहारी को लगा रंग, नाचते हुए पहुंचे भक्त

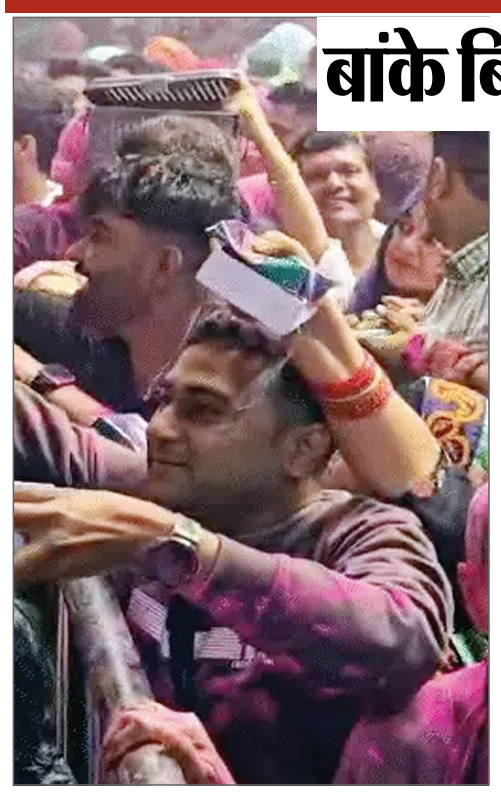

वृंदावन में विदेशियों ने भी खेली होली, कहा- मजा आ गया

मथुरा (एजेंसी)। मथुरा के वृंदावन में रंगभरी एकादशी पर शुक्रवार को अनोखा नजारा दिखा। बांके बिहारी जी को रंग और अबीर लगाने के साथ ही ब्रज की होली की शुरुआत हुई। मंदिर रंग-बिरंगे गुलाल में डूबा नजर आया। पुजारियों ने प्रसादी गुलाल भक्तों पर बरसाया। फूल, जलेबी और लड्डू लुटाए।

प्रसाद पाने के लिए भक्तों में होड़ मच गई। शरीर पर अबीर पड़ते ही भक्त खुशी से झूम उठे। बांके बिहारी जी के जयकारों से माहौल भक्तिमय हो उठा। अबीर से सराबोर भक्तों ने बांके बिहारी के दर्शन किए। आशीर्वाद लिया। फिर बाहर आकर हवा में रंग और अबीर उड़ाया और एक-दूसरे को गुलाल लगाया।

इस दौरान वृंदावन की गलियां भक्तों से भरी रहीं। हर तरफ अबीर-गुलाल दिखाई दे रहा है। अबीर गुलाल से रंगे भक्त ढोल-नगाड़ों पर झूम रहे हैं। आज ब्रज में होली रे रसिया गाने पर नाच रहे हैं।

बड़ी संख्या में भक्त वृंदावन की पंचकोसी परिक्रमा कर रहे हैं। कई भक्त अपने लड्डू गोपाल को गोद में लेकर आए हैं। महिलाएं भजन गा रही हैं। श्रद्धालु राधे-राधे बोलते हुए गुलाल उड़ाकर चल रहे हैं। इस बीच, राधा वल्लभ मंदिर से राधा कृष्ण का डोला निकला। बग्गी पर सवार होकर राधा कृष्ण के स्वरूप शहर में जगह-जगह होली खेलते हुए आगे बढ़ रहे हैं। अनुमान है कि करीब 10 लाख भक्त वृंदावन पहुंचे हैं। इससे पहले, गुरुवार को नंदगांव और बुधवार को बरसाना में लठमार होली खेली गई थी।

जेएनयू में बवाल के बीच फैकल्टी सदस्यों ने खोला मोर्चा

- प्रोफेसर क्रिस्टु दास का आमरण अनशन शुरू

नईदिल्ली (एजेंसी)। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में बृहस्पतिवार को हुए बवाल के बाद छात्र संघ और शिक्षक संघ के खिलाफ अब फैकल्टी सदस्यों ने मोर्चा खोल दिया है। स्कूलों की तालाबंदी, छात्रों की पढ़ाई प्रभावित करने, तोड़फोड़ और हंगामे के विरोध में जेएनयू ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र के प्रोफेसर क्रिस्टु दास ने जेएनयू परिसर के साबरमती टी प्वाइंट पर आमरण अनशन बैठ गए है। प्रोफेसर के समर्थन में कई दूसरे फैकल्टी सदस्य और छात्र भी समर्थन के लिए मैदान में उतरे है। जेएनयू प्रोफेसर क्रिस्टु दास ने कहा कि यहां तीन अलग-अलग भूमिकाओं में आमरण अनशन पर बैठा हूं। पहला जेएनयू में इतिहास के पूर्व छात्र के तौर पर, दूसरा राष्ट्र के जिम्मेदार नागरिक के रूप में और तीसरा संकाय सदस्य के रूप में आमरण अनशन कर रहा हूं। परिसर में चल रही घटनाओं से सभी अवगत है। लाइब्रेरी में तोड़फोड़, उसके बाद छात्र संघ पदाधिकारियों के निष्कासन और फिर छात्र संघों ने विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया। विश्वविद्यालय में हड़ताल के नाम पर कक्षाओं में जबरन ताला लगाकर जेएनयू छात्र के पदाधिकारी जेएनयू शिक्षक संघ के समर्थन से तोड़फोड़ और गुंडागर्दी कर रहे हैं।

फाइटर हेलिकॉप्टर प्रचंड में उड़ान भरने वाली मुर्मू पहली राष्ट्रपति

- कॉकपिट से देश को मैसेज- वीर सैनिकों को गर्व के साथ धन्यवाद, जय हिंद, जय भारत

जैसलमेर (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को जैसलमेर एयरफोर्स स्टेशन से स्वदेशी लाइट कॉम्बैट हेलिकॉप्टर (एलसीएच) प्रचंड में उड़ान भरी। वे हेलिकॉप्टर प्रचंड में बतौर को-पायलट उड़ान भरने वाली देश की पहली राष्ट्रपति हैं।

राष्ट्रपति ने उड़ान के दौरान हेलिकॉप्टर के कॉकपिट से सैल्यूट किया। राष्ट्रपति मुर्मू इससे पहले लड़ाकू विमान सुखोई और राफेल में उड़ान भरने वाली देश की पहली राष्ट्रपति बनी थीं।

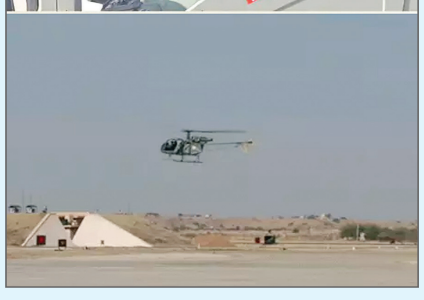

राष्ट्रपति मुर्मू सुबह करीब 9.15 बजे जैसलमेर वायुसेना स्टेशन पहुंची थीं। सेना के अधिकारियों ने उन्हें हेलिकॉप्टर के बारे में ब्रीफिंग दी। इसके बाद राष्ट्रपति हेलिकॉप्टर के कॉकपिट में बैठीं।

फिर सुबह करीब 10.15 बजे ग्रुप कैप्टन एन.एस. बहुआ के साथ हेलिकॉप्टर में उड़ान भरी। हेलिकॉप्टर में 25 मिनट उड़ान के दौरान राष्ट्रपति ने सीमावर्ती क्षेत्रों और पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज का हवाई जायजा लिया। जैसलमेर के सोनार दुर्ग के ऊपर 'प्रचंड' हेलिकॉप्टर में उड़ान भरते हुए राष्ट्रपति ने रेडियो के माध्यम से देश के नाम संदेश दिया।

दिल्ली शराब घोटाले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने पूर्व सीएम केजरीवाल सहित 23 बरी

- फैसले को चुनौती देगी सीबीआई
- फैसले के बाद केजरीवाल रोते हुए बोले- जिंदगीभर ईमानदारी कमाई

नईदिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने शुक्रवार को बहुचर्चित आबकारी नीति से जुड़े कथित भ्रष्टाचार मामले में पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) संयोजक अरविंद केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया समेत कई अन्य को आरोप मुक्त कर दिया है। हालांकि अरविंद केजरीवाल को अभी मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कोई राहत नहीं मिली है। अदालत ने अपने फैसले में कहा है कि प्रथम दृश्य कोई भी आपराधिक षड्यंत्र नहीं मिला है। कोर्ट सीबीआई मामले में सुनवाई कर रही थी। उधर, सीबीआई सूत्र के मुताबिक, सीबीआई इस फैसले को चुनौती देने के लिए दिल्ली हाईकोर्ट जाएगी। कोर्ट के बाहर केजरीवाल ने मीडिया से बात की, इस दौरान वे रोने लगे, उन्होंने कहा पिछले कुछ सालों से जिस तरह से बीजेपी शराब घोटाला, शराब घोटाला कर रही थी। हमारे ऊपर आरोप लगा रही थी। आज कोर्ट ने सारे आरोप खारिज कर दिए और हम सबको डिस्चार्ज कर दिया। हम हमेशा कहते थे कि हमें भारतीय न्याय प्रणाली पर भरोसा है। मैं जज साहब का बहुत-बहुत शुक्रिया करता हूं, जिन्होंने हमारे साथ न्याय किया। सत्य की जीत हुई। भगवान हमारे साथ है। मोदी जी और अमित शाह जी ने मिलकर आजाद भारत का यह सबसे बड़ा राजनीतिक षड्यंत्र रचा। आम आदमी पार्टी को खत्म करने के लिए आम आदमी पार्टी के सबसे बड़े पांच नेताओं को जेल में डाल दिया। आज तक आजाद भारत के इतिहास में ऐसा नहीं हुआ। सिटिंग चीफ मिनिस्टर को घर से घसीटकर जेल में डाला गया और छह महीने तक जेल में रखा गया। हमारे उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया जी को दो साल तक जेल में रखा गया। हमारे ऊपर कीचड़ फेंका गया। 24 घंटे टीवी चैनलों पर डिबेट चलती थी। इतना कहते ही अरविंद केजरीवाल रो पड़े। उन्हें बाजू में खड़े मनीष सिसोदिया ने ढांढस बंधाया,इसके बाद केजरीवाल ने फिर बोलना शुरू किया।

झूठे केस करना उन्हें जेल में डालना ये प्रधानमंत्री को शोभा नहीं देता- उन्होंने कहा मैंने जिंदगी में सिर्फ ईमानदारी कमाई है। इन्होंने झूठा केस लगाया। आज ये साबित हो गया कि केजरीवाल कट्टर ईमानदार है। मनीष सिसोदिया कट्टर ईमानदार है, आम आदमी पार्टी कट्टर ईमानदार है। मैं प्रधानमंत्री जी से कहना चाहता हूं कि सत्ता के लिए इस तरह से खिलवाड़ मत कीजिए देश के साथ। इस तरह से संविधान के साथ खिलवाड़ मत कीजिए। आपको सत्ता चाहिए, अच्छे काम कीजिए। आज देश के सामने कितनी बड़ी समस्याएं हैं। महंगाई है, बेरोजगारी है, पूरे देश में सड़कें टूटी पड़ी हैं, चारों तरफ पॉल्यूशन ही पॉल्यूशन है, चारों तरफ देश में इतनी समस्याएं हैं उनका समाधान करके सत्ता में आइए न। केजरीवाल पर आम आदमी पर्टी पर झूठे केस क्यों करते हैं। अच्छा काम करके सत्ता में आइए। इस तरह के झूठे केस करना और चौबीस घंटे विपक्षियों पर ऊटपटांग झूठे केस करना उन्हें जेल में डालना ये प्रधानमंत्री को शोभा नहीं देता। इससे देश आगे नहीं बढ़ता। देश तब आगे बढ़ेगा, जब जनता की समस्यों का समाधान किया जाएगा।

सीबीआई ने कहा- दिल्ली हाईकोर्ट में अपील करेंगे

आबकारी नीति मामले में केजरीवाल समेत 23 आरोपियों को बरी किए जाने पर सीबीआई ने कहा- जांच के कई पहलुओं को या तो नजरअंदाज किया गया या पर्याप्त रूप से विचार नहीं किया गया। ट्रायल कोर्ट के फैसले के खिलाफ तुरंत दिल्ली हाई कोर्ट में अपील करेंगे।

यह 23 लोग हुए बरी

अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, के. कविता, दुर्गेश पाठक, कुलदीप सिंह, नरेंद्र सिंह, विजय नायर, अभिषेक बोइनपल्ली, अरुण पिल्लई, मूथा गौतम, समीर महेंद्रू, अमनदीप सिंह ढल, अर्जुन पांडे, बुचिबाबू गोरंतला, राजेश जोशी, दामोदर प्रसाद शर्मा, प्रिंस कुमार, अरविंद कुमार सिंह, चनप्रीत सिंह, अमित अरोरा, विनोद चौहान, आशीष चंद माथुर, शरत रेड्डी।

इंदौर में जहरीली गैस फैली, 5 की तबीयत बिगड़ी

लोगों को सांस लेने में परेशानी, उल्टियां हुईं, घरों से बाहर निकले

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के रावजी बाजार थाना क्षेत्र में गुरुवार रात अमोनिया गैस के रिसाव से इलाके में हड़कंप मच गया। गैस के असर से कुछ लोगों को सांस लेने में दिक्कत हुई, जिसके बाद दो महिलाओं समेत पांच लोगों को एहतियातन अस्पताल भेजा गया।

प्रशासन के मुताबिक सभी की हालत स्थिर है और कोई भी गंभीर नहीं है। सीएमएचओ डॉक्टर माधव हसनी ने बताया कि पांचों की हालत ठीक है। डीसीपी आनंद कालादगी ने बताया कि ककतपुरा पुल के नीचे शहजाद नाम के एक कबाड़ी द्वारा सिलेंडर काटा जा रहा था। इसी दौरान उसमें से अमोनिया गैस का रिसाव शुरू हो गया। गैस फैलते ही आसपास मौजूद लोगों को घबराहट और सांस लेने में

परेशानी महसूस होने लगी। डीसीपी ने स्पष्ट किया कि इस घटना में कोई भी व्यक्ति गंभीर रूप से प्रभावित नहीं हुआ है। सभी लोग सुरक्षित हैं।

- **कबाड़ी दुकान में गैस सिलेंडर काटा जा रहा था-** एक कबाड़ी की दुकान पर गैस से भरा सिलेंडर लाया गया था। बताया जा रहा है कि कबाड़ी सिलेंडर को काट रहा था, उसी दौरान उसमें भरी गैस रिसने लगी। गैस फैलते ही आसपास के लोगों को घबराहट और सांस लेने में परेशानी होने लगी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कबाड़ी को हिरासत में ले लिया। दमकल विभाग की टीम ने सिलेंडर को अपने कब्जे में लेकर मौके से हटाया।

2 दिन के इजराइल दौरे से लौटे पीएम मोदी

दोनों देशों के बीच 27 एमओयू और एग्रीमेंट हुए

नईदिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इज़राइल के ऐतिहासिक दो दिन के स्टेट विज़िट के बाद शुक्रवार रात 1 बजे भारत लौट आए। यह नौ साल में उनका पहला विजिट था। इस दौरान दोनों देशों ने अपने आपसी रिश्तों को एक स्पेशल स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप तक बढ़ाया। इस विज़िट के आखिर में इनोवेशन, कल्चरल एक्सचेंज, मैन्युफैक्चरिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम कंप्यूटिंग, इकोनॉमिक कोऑपरेशन, डिप्लोमेसी और सिक्योरिटी समेत अलग-अलग सेक्टर में 27 एमओयू और एग्रीमेंट पर साइन हुए। पीएम मोदी ने यह भी अनाउंस किया कि भारत और इजराइल जल्द ही एक-दूसरे के लिए फायदेमंद फ्री ट्रेड एग्रीमेंट को फाइनल करेंगे।

मधुबनी मेडिकल कॉलेज का फरमान- रमजान में साथ दिखे छात्र-छात्रा

...तो करा दिया जाएगा निकाह

मधुबनी (एजेंसी)। बिहार के मधुबनी मेडिकल कॉलेज का एक अजीबोगरीब और विवादित सर्कुलर इन दिनों चर्चा का केंद्र बना हुआ है। कॉलेज प्रशासन ने एक आधिकारिक पत्र जारी कर छात्र-छात्राओं के साथ खड़े होने पर न केवल पाबंदी लगाई है, बल्कि उल्लंघन करने पर सीधे निकाह करा देने की चेतावनी दी है। इस तुगलकी फरमान के सामने आने के बाद संस्थान के छात्र-छात्राओं में हड़कंप मचा हुआ है।

मधुबनी मेडिकल कॉलेज के सर्कुलर में दी गई निकाह की चेतावनी- मिली जानकारी के अनुसार, मधुबनी मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य के हस्ताक्षर और मुहर के साथ जारी इस पत्र में रमजान के महीने का हवाला दिया गया है। सर्कुलर में स्पष्ट तौर पर लिखा गया है कि रमजान के पाक महीने के दौरान कोई भी लड़का और लड़की (कपल) एक साथ खड़े नहीं होंगे। अगर कोई छात्र-छात्रा एक साथ खड़े पाए जाते हैं, तो कॉलेज प्रशासन तुरंत उनका निकाह (विवाह) करा देगा।

वलीमा के खुद होंगे जिम्मेदार- कॉलेज के इस आधिकारिक लेटरहेड पर सख्त लहजे में चेतावनी दी गई है। पत्र में लिखा है, आपको सूचित किया जाता है कि रमजान का महीना चल रहा है। ऐसे में कपल के एक साथ खड़े होने पर मनाही है। अगर कोई एक साथ खड़ा नजर आया तो तुरंत उनका निकाह करा दिया जाएगा। अगर कोई इस सर्कुलर का उल्लंघन करता है, तो कपल अपने वलीमा (शादी के बाद का भोज) के लिए खुद जिम्मेदार होंगे।

सोशल मीडिया पर विरोध और प्रशासन की चुप्पी- जैसे ही यह सर्कुलर सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, लोगों ने इसे व्यक्तिगत स्वतंत्रता का हनन बताते हुए विरोध शुरू कर दिया है। बताया जा रहा है कि इस मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन (डीएम) को सूचित कर दिया गया है। हालांकि, इस पूरे विवाद पर अब तक न तो कॉलेज प्रबंधन की ओर से कोई सफाई आई है और न ही जिला प्रशासन ने कोई आधिकारिक बयान जारी किया है।फिलहाल सबकी नजरें कॉलेज की ओर से जारी इस सर्कुलर पर लगी हुई हैं।

रमजान के महीने में बागेश्वर धाम की पदयात्रा पर हैं अहमद खान

- सिर पर रामचरित मानस रखकर खाली पैर चल रहे

भोपाल/टीकमगढ़ (एजेंसी)। एमपी में रमजान के पवित्र महीने के बीच धार्मिक आस्था और सद्भाव का एक अनोखा उदाहरण सामने आया है। झांसी जनपद के टकटोली गांव निवासी अहमद खान सिर पर रामचरितमानस रखकर नंगे पैर बागेश्वर धाम की पदयात्रा पर निकले हैं। उनके साथ करीब 200 ग्रामीण, जिनमें महिलाएं और पुरुष शामिल हैं, यात्रा में सहभागी बने हुए हैं।

शुक्रवार को टीकमगढ़ पहुंचा काफिला- यह काफिला शुक्रवार को टीकमगढ़ जिले के पलेरा नगर पहुंचा, जहां स्थानीय लोगों और ग्रामीणों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया। यात्रा के दौरान श्रद्धालु प्रतिदिन लगभग 20 किलोमीटर पैदल चलकर रात्रि विश्राम करते हैं और अगली सुबह पुनः अपनी यात्रा शुरू कर देते हैं। कुल लगभग 90 किलोमीटर की यह यात्रा नंगे पैर पूरी की जा रही है।

40 साल पहले देखा था सपना- अहमद खान ने बताया कि उन्होंने करीब 40 वर्ष पहले यह सपना देखा था कि वे श्रीरामचरितमानस को सिर पर रखकर बागेश्वर धाम की यात्रा करेंगे, जो अब साकार हो रहा है। उन्होंने कहा कि वहां पहुंचकर वे पूजा-पाठ करेंगे और लौटने के बाद अपना नया नाम 'साई राम' रखेंगे। साथ ही ग्रामीणों के सहयोग से अपने गांव में राधा-कृष्ण मंदिर निर्माण का संकल्प भी लिया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रमन की विरासत और नारी नेतृत्वः विकसित भारत का वैज्ञानिक युग

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस प्रतिवर्ष एक निर्धारित थीम के तहत मनाया जाता है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2026 का विषय है 'विज्ञान में महिलाएं- विकसित भारत को उत्प्रेरित करना'। 2023 से 2025 तक राष्ट्रीय विज्ञान दिवस क्रमशः 'वैश्विक भलाई के लिए वैश्विक विज्ञान', 'विकसित भारत के लिए स्वदेशी तकनीक' और 'विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व के लिए भारतीय युवाओं को सशक्त बनाना' थीम के साथ मनाया गया था। वर्ष 2022 की थीम थी 'सतत भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी में एकीकृत दृष्टिकोण' और वर्ष 2021 की थीम थी 'एसटीआई का भविष्य - शिक्षा कौशल और कार्य का प्रभाव'।

(लेखक -- योगेश कुमार गोयल)

- सपनों को हकीकत में बदलने की कुंजी है विज्ञान

(राष्ट्रीय विज्ञान दिवस (28 फरवरी) पर विशेष)

मानव जीवन को विज्ञान ने आज बेहद आसान और सुविधाजनक बना दिया है। युवाओं की विज्ञान के प्रति आज के समय में कितनी रूचि है, इसी पर देश का भविष्य निर्भर करता है। युवाओं के साथ-साथ समाज के प्रत्येक वर्ग के दिलोदिमाग में विज्ञान के प्रति अधिकाधिक रूचि जागृत करने के लिए ही प्रतिवर्ष 28 फरवरी को 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' मनाया जाता है। दरअसल इस दिवस के जरिये बच्चों को विज्ञान को बतौर कैरियर चुनने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है ताकि देश की आने वाली पीढ़ी विज्ञान के क्षेत्र में अपना उल्लेखनीय योगदान दे सके और देश प्रगति के मार्ग पर निरन्तर अग्रसर रहे। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार के लिए राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा भारत में 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में नामित करने के लिए वर्ष 1986 में भारत सरकार को कहा गया था और सरकार द्वारा इसे स्वीकृति प्रदान किए जाने के बाद से 28 फरवरी 1987 से प्रतिवर्ष इसी दिन भारतीय विज्ञान के क्षेत्र में एक महान कार्यक्रम के रूप में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता रहा है। यह दिवस भारत के महान् वैज्ञानिक भौतिक शास्त्री सर सी. वी. रमन की खोज 'रमन प्रभाव' को सदैव याद रखने और विश्व पटल पर विज्ञान के क्षेत्र में भारत का नाम रोशन करने वाले इस वैज्ञानिक को सम्मान देने के लिए उनकी स्मृति में मनाया जाता है। दरअसल सर सी वी रमन भौतिकी विज्ञान के क्षेत्र में पहले ऐसे भारतीय थे, जिन्होंने भारत में ऐसे आविष्कार पर शोध किया था।

पश्चिम बंगाल के कोलकाता में इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टीवेशन ऑफ साइंस में 1907 से 1933 तक सर चन्द्रशेखर वेंकट रमन ने कार्य किया था। उस दौरान उन्होंने भौतिकी के कई बिन्दुओं पर शोध किया था, जिसमें से 'रमन प्रभाव' (प्रकाश के फैलने पर प्रभाव, जब विभिन्न वस्तुओं के द्वारा उसे गुजारा जाता है) उनकी महान सफलता और खोज बनी, जो न केवल विज्ञान जगत में लोकप्रिय हुआ बल्कि पूरी दुनिया ने उनकी इस खोज को सराहा। सर सी वी रमन की यह खोज 28 फरवरी 1928 को दुनिया के सामने आई थी, जिसके बाद पूरी दुनिया में उनकी इस खोज ने तहलका मचा दिया था। उनके इसी बड़े आविष्कार के लिए वर्ष 1930 में उन्हें भौतिकी के क्षेत्र में दुनिया का सबसे बड़ा माना जाने वाला 'नोबेल पुरस्कार' दिया गया था। वे एशिया के ऐसे पहले व्यक्ति थे, जिन्हें नोबेल पुरस्कार से सम्मानित होने का गौरव हासिल हुआ था। 'रमन प्रभाव' खोज के लिए उन्हें नोबेल पुरस्कार के अलावा भी अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने के पश्चात् भारत लौटने पर उन्होंने कहा था कि मेरे जैसे न जाने कितने ही रमन सुविधाओं और अवसरों के अभाव में यूं ही अपनी प्रतिभा गंवा देते हैं, जिससे केवल उनका ही नहीं बल्कि पूरे भारतवर्ष का नुकसान है, जिसे हमें रोकना होगा।'' वर्ष 2013 से अमेरिकन केमिकल सोसायटी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय ऐतिहासिक केमिकल लैंडमार्क के रूप में 'रमन प्रभाव' को नामित किया गया।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस प्रतिवर्ष एक निर्धारित थीम के तहत मनाया जाता है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2026 का विषय है 'विज्ञान में महिलाएं- विकसित भारत को उत्प्रेरित करना'। 2023 से 2025 तक राष्ट्रीय विज्ञान दिवस क्रमशः 'वैश्विक भलाई के लिए वैश्विक विज्ञान', 'विकसित भारत के लिए स्वदेशी तकनीक' और 'विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व के लिए भारतीय युवाओं को सशक्त बनाना' थीम के साथ मनाया गया था। वर्ष 2022 की थीम थी 'सतत भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी में एकीकृत दृष्टिकोण' और वर्ष 2021 की थीम थी 'एसटीआई का भविष्य - शिक्षा कौशल और कार्य का प्रभाव'। एसटीआई का अर्थ है साइंस, टैक्नोलॉजी एंड इनोवेशन। यह विषय शिक्षा कौशल और कार्य पर विज्ञान, प्रोद्यौगिकी और नवाचार (एसटीआई) के भविष्य में पड़ने वाले प्रभाव पर प्रकाश डालता है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की वर्ष 1999 से लेकर अब तक की थीम पर नजर डालें तो वर्ष 1999 का विषय था 'हमारी बदलती धरती'। वर्ष 2000 का विषय था 'मूल विज्ञान में रूचि उत्पन्न करना, 2001 का 'विज्ञान शिक्षा के लिए सूचना तकनीक', 2002 का 'पश्चिम से धन', 2003 का 'जीवन की रूपरेखा - 50 साल का डीएनए और 25 वर्ष का आईवीएफ', 2004 का 'समुदाय में वैज्ञानिक जागरूकता को बढ़ावा देना', 2005 का 'भौतिकी को मानना', 2006 का 'हमारे भविष्य के लिए प्रकृति की परवरिश करें', 2007 का 'प्रति द्रव्य पर ज्यादा फसल', 2008 का 'पृथ्वी ग्रह को समझना', 2009 का 'विज्ञान की सीमा को बढ़ाना', 2010 का 'दीर्घकालिक विकास के लिए लैंगिक समानता, विज्ञान और तकनीक, 2011 का 'दैनिक जीवन में रसायन', 2012 का 'स्वच्छ ऊर्जा विकल्प और परमाणु सुरक्षा', 2013 का 'अनुवांशिक संशोधित फसल और खाद्य सुरक्षा', 2014 का 'वैज्ञानिक मनोवृत्ति को प्रोत्साहित करना', 2015 का 'राष्ट्र निर्माण के लिए विज्ञान', 2016 का 'देश के विकास के लिए वैज्ञानिक मुद्दों पर सार्वजनिक प्रशंसा बढ़ाने के लक्ष्य', 2017 का 'विज्ञान और प्रौद्योगिकी विकलांग व्यक्तियों के लिए', 2018 का 'एक सतत भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी' तथा वर्ष 2019 का राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का विषय 'लोगों के लिए विज्ञान और विज्ञान के लिए लोग' था। देश में अन्य क्षेत्रों के अलावा विज्ञान के क्षेत्र में भी महिलाओं के योगदान के मद्देनजर उन्हें सम्मान देने के उद्देश्य से 2020 में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की थीम रखी गई 'विज्ञान के क्षेत्र में महिलाएं' (वूमेन इन साइंस)।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का सबसे बड़ा उद्देश्य लोगों को हमारे दैनिक जीवन में विभिन्न वैज्ञानिक आविष्कारों की महत्ता से परिचित कराना होता है, इसके अलावा वैज्ञानिक सोच रखने वाले लोगों को अवसर उपलब्ध कराना तथा उन्हें उनके कार्य के लिए प्रोत्साहित करना भी इसका अहम उद्देश्य है। विज्ञान के विकास के लिए नई तकनीकों को लागू कर विज्ञान और प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बनाने जैसे उद्देश्य राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के आयोजन में निहित हैं। विज्ञान के जरिये ही वैज्ञानिकों ने नई-नई तरह की तकनीकों का आविष्कार किया है और वैज्ञानिकों ने इन खोजों के जरिये मानव जीवन को बहुत बेहतर बना दिया है। इसी विज्ञान के जरिये हम रोबोट, कम्प्यूटर इत्यादि बनाने में सफलता प्राप्त करने के अलावा अंतरिक्ष तक में पहुंच गए हैं और असंभव दिखने वाले कार्यों को भी विज्ञान की मदद से ही संभव बनाते रहे हैं। विज्ञान की मदद से ही बनाई गई प्रतिदिन बहुत सारी तकनीकों और वस्तुओं का इस्तेमाल हम अपने दैनिक क्रियाकलापों में करते भी हैं। ऐसे में हम सभी के लिए हमारे जीवन में विज्ञान के महत्व को समझना बेहद जरूरी है। हमारा समाज 21वीं सदी में जिस प्रकार अंधविश्वासों के साये में जीता है, ऐसे में विज्ञान की महत्ता समझते हुए समाज में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करते हुए इन अंधविश्वासों के निर्मूलन की जिम्मेदार हम सबकी है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार और हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित पुस्तक 'सागर से अंतरिक्ष तक- भारत की रक्षा क्रांति' के लेखक हैं)

संपादकीय

सुप्रीम संवेदनशीलता

भारतीय समाज में किसी भी तरह की हिंसा से पीड़ित महिलाओं के लिये न्याय पाने की प्रक्रिया में न्यायिक तंत्र की विसंगतियों से जूझना कष्टप्रद रहा है। समाज में सोच रही है कि पहले ही हिंसा का शिकार हुई स्त्री द्वारा अपनी आपबीती को बार-बार दोहराना पुनः उसी यंत्रणा से गुजरना जैसा होता है। उसकी अभिव्यक्ति की गोपनीयता व पहचान सुरक्षित रखने की भी जरूरत महसूस की जाती रही है। विडंबना यह भी रही है कि अक्सर स्त्री के खिलाफ हुई हिंसा से जुड़े मामले में सामाजिक धारणाओं पर पितृसत्तात्मक सोच वाली मानसिकता का वर्चस्व रहता है। निर्विवाद रूप से हर तरफ से हारा-हताश व्यक्ति न्याय की चौखट पर अंतिम सहारे के रूप में जाता है। लेकिन कई बार देखने में आया है कि स्त्री के विरुद्ध हुए अपराध के मुकदमे के दौरान टिप्पणियों व फैसले पर पूर्वाग्रहों का असर नजर आता है, जिसे पहले से पीड़ित स्त्री के कष्ट में इजाफा ही होता है। कहा जाता है कि इस प्रक्रिया में यदा-कदा संवेदनशीलता व करुणा का भाव नदारद पाया गया। यही वजह है कि समय-समय पर शीर्ष अदालत ने न्यायाधीशों के निर्णयों को रूढ़िवादिता के प्रभाव से मुक्त करने के लिये प्रयास किए हैं। इसी आलोक में पिछले दिनों देश की शीर्ष अदालत ने राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी को यौन हिंसा व स्त्री से जुड़े अन्य अपराधों के परिप्रेक्ष्य में जजों तथा न्यायिक प्रक्रिया से जुड़े लोगों के लिए संवेदनशीलता तथा करुणा विकसित करने की पहल की है। दिशा-निर्देश तैयार करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति गठित करने के निर्देश दिए हैं। निस्संदेह, इस संवेदनशील पहल का स्वागत किया जाना चाहिए। स्पष्ट है कि सुप्रीम कोर्ट का यह प्रयास भविष्य में नई लीक बनाएगा, जिसमें न्यायाधीश स्त्री के विरुद्ध यौन हिंसा व अन्य अपराधों के मामलों में संवेदनशीलता के साथ सुनवाई कर सकेंगे। इसके साथ ही संभव हो सकेगा कि उनके फैसलों पर किसी सामाजिक भेदभाव की धारणा व पूर्वाग्रह का असर नजर न आए। निस्संदेह, इस प्रयास से न्याय को अधिक मानवीय व संवेदनशील बनाने में मदद मिल सकेगी। विगत में भी इस दृष्टिकोण की कमी न्यायिक प्रक्रिया में महसूस की जाती रही है। कई तरह की विसंगतियों को कई फैसलों में महसूस किया जाता रहा है। यही वजह है कि शीर्ष अदालत को न्यायिक प्रक्रिया में संवेदनशीलता विकसित करने की जरूरत पर बल दिया गया। हमारे समाज में न्यायाधीशों को पंच-परमेश्वर की संज्ञा दी गई है और उनसे नीर-क्षीर विवेक के साथ संवेदनशील व्यवहार की उम्मीद की जाती रही है। निश्चित रूप से शीर्ष अदालत के हस्तक्षेप के बाद न्यायपालिका के नजरिये में बदलाव के साथ न्यायिक प्रक्रिया में निहित संवेदनशीलता का समावेश हो सकेगा। वैसे तो विगत में भी इस दिशा में कई रचनात्मक पहल की गई हैं, लेकिन उनके आशातीत परिणाम सामने नहीं आए हैं। ऐसा ही एक प्रयास साल 2023 में एक पुस्तिका के रूप में सामने आया था, जिसमें फैसलों में पुरुष प्रधान मानसिकता वाली शब्दावली से परहेज करने का सुझाव दिया गया था। इसके साथ ही विगत में न्याय प्रक्रिया से जुड़े लोगों के लिये लैंगिक संवेदनशीलता पर केंद्रित प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करने की जरूरत पर बल दिया जाता रहा है। एक अन्य विकल्प के रूप में न्यायपालिका में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाने की जरूरत भी बतायी जाती रही है। दरअसल, एक विसंगति यह भी रही है कि देश की निचली अदालतों में महिलाओं से जुड़े यौन हिंसा व अन्य गंभीर अपराधों के मामले में फैसले देते वक्त सामाजिक यथार्थ की अवहेलना की जाती रही है। फलस्वरूप कानूनी प्रावधानों की व्याख्या में चूक से अपराध की प्रकृति कमतर आंकी जाती है। जिससे पीड़ित महिला की न्याय की डगर मुश्किलों भरी हो जाती है।

नवाचार की शक्तिः रमन के सवाल से विज्ञान के संकल्प तक

(लेखक -दिलीप कुमार पाठक)

(28 फरवरी राष्ट्रीय विज्ञान दिवस)

आज 28 फरवरी का दिन पूरे भारत के लिए गौरव और आत्मसम्मान का प्रतीक है, क्योंकि आज हम राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मना रहे हैं। यह दिन महान भारतीय भौतिक विज्ञानी सर सी.वी. रमन की उस अद्भुत खोज रमन प्रभाव को समर्पित है, जिसने पूरी दुनिया की वैज्ञानिक समझ को एक नई दिशा दी और भारत को भौतिकी के क्षेत्र में पहला नोबेल पुरस्कार दिलाया। अक्सर हम विज्ञान को केवल बंद कमरों की प्रयोगशालाओं और जटिल सूत्रों का समूह मान लेते हैं, लेकिन वास्तव में विज्ञान हमारी जिज्ञासा और सत्य की खोज का दूसरा नाम है। सर रमन का सफर हमें सिखाता है कि बड़े आविष्कारों के लिए केवल महंगे उपकरणों की नहीं, बल्कि एक पैनी नजर और कुछ नया सोचने के जुनून की जरूरत होती है। समुद्र के पानी का रंग नीला क्यों होता है, इस एक साधारण से सवाल ने उन्हें दुनिया की सबसे बड़ी खोजों में से एक तक पहुँचा दिया। यह जानना दिलचस्प है कि जिस उपकरण से उन्होंने इतनी बड़ी खोज की, उसकी कुल लागत उस समय मात्र 200 रुपये के आसपास थी, जो आज के युग के लिए एक बड़ी प्रेरणा है कि आविष्कार बजट से नहीं बल्कि बुद्धि से होते हैं। अक्सर लोग समझते हैं कि आज सर रमन का जन्मदिन है, लेकिन असल में 28 फरवरी वह तारीख है जिस दिन उन्होंने अपनी खोज की घोषणा की थी, इसीलिए भारत सरकार ने 1986 में इस दिन को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में मान्यता दी।

आज जब हम 21वीं सदी के भारत की बात करते हैं, तो विज्ञान और तकनीक इसके सबसे मजबूत स्तंभ बनकर उभरे हैं। अंतरिक्ष की गहराइयों को नापने वाले हमारे चंद्रयान और मंगलयान मिशन से लेकर वैश्विक महामारी के दौरान रिकॉर्ड समय में तैयार की गई स्वदेशी वैक्सीन तक, भारतीय वैज्ञानिकों ने बार-बार यह साबित किया है कि नवाचार ही आत्मनिर्भरता का असली रास्ता है। विज्ञान का असली उत्सव तब सफल होता है जब इसकी पहुँच खेतों में काम करने वाले किसान से लेकर स्कूल में पढ़ने वाले एक साधारण विद्यार्थी तक हो। हमें यह समझना होगा कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण का अर्थ केवल डिग्री हासिल करना नहीं, बल्कि समाज में व्याप्त अंधविश्वासों को तर्क की कसौटी पर परखना और समस्याओं के रचनात्मक समाधान खोजना है। आज भारत जिस तरह से स्टार्टअप्स और डिजिटल क्रांति के दौर से गुजर रहा है, उसमें युवाओं की भूमिका सबसे अहम है। नवाचार केवल नई मशीनों को बनाना नहीं है, बल्कि कम संसाधनों में बेहतर जीवन जीने के तरीके खोजना भी है। आज हमारे सामने ग्लोबल वार्मिंग, प्रदूषण और जल संकट जैसी बड़ी चुनौतियां खड़ी हैं, जिनका सामना हम पुरानी सोच से नहीं बल्कि वैज्ञानिक चेतना से ही कर सकते हैं। सौर ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन और कचरा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में हो रहे नए प्रयोग इस बात का प्रमाण हैं कि विज्ञान ही भविष्य की सुरक्षा की गारंटी है।

विज्ञान की सार्थकता तभी है जब वह समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाए। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स के इस दौर में हमें मानवीय संवेदनाओं और वैज्ञानिक प्रगति के बीच एक संतुलन बनाना होगा। हमें अपने ग्रामीण क्षेत्रों में विज्ञान मेलों और प्रयोगशालाओं का जाल बिछाना होगा ताकि गाँवों की प्रतिभा को भी पंख मिल सकें। स्थानीय स्तर पर होने वाले छोटे-छोटे नवाचार ही भविष्य में बड़े वैश्विक बदलावों की नींव रखते हैं। विज्ञान हमें धैर्य और निरंतर प्रयास की शक्ति सिखाता है, जहाँ हर असफलता अनुसंधान का एक नया रास्ता खोलती है। सर रमन के व्यक्तित्व का एक और पहलू उनका संगीत के प्रति प्रेम था; उन्होंने तबला और मृदंगम जैसे वाद्य यंत्रों की ध्वनि पर भी शोध किया था, जो दर्शाता है कि विज्ञान और कला साथ-साथ चलते हैं। विद्यार्थियों के लिए विज्ञान केवल परीक्षा पास करने का जरिया नहीं होना चाहिए, बल्कि यह एक ऐसी खिड़की होनी चाहिए जिससे वे पूरी दुनिया को नए नजरिए से देख सकें। स्कूलों में जब तक रटने की जगह सवाल पूछने की संस्कृति विकसित नहीं होगी, तब तक हम नए रमन पैदा नहीं कर पाएंगे। सरकार के मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों की सफलता भी इसी बात पर निर्भर है कि हम तकनीक के मामले में दुनिया के पीछे चलने के बजाय दुनिया को रास्ता दिखाएं। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम अपने भीतर की जिज्ञासा को कभी मरने नहीं देंगे और हर कार्य को वैज्ञानिक तर्क के साथ करने का प्रयास करेंगे। जब देश का हर नागरिक तार्किक सोच के साथ आगे बढ़ेगा, तभी हम विकसित भारत के सपने को हकीकत में बदल पाएंगे। विज्ञान के इस उजाले को समाज के हर कोने तक पहुँचाना और आने वाली पीढ़ियों को नवाचार के लिए प्रेरित करना ही इस दिवस की सच्ची सार्थकता होगी।

(लेखक पत्रकार हैं)

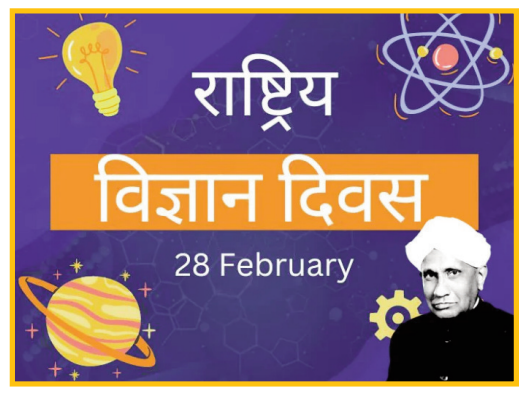

इसलिए सबसे छोटा है कलियुग

शास्त्रों में सृष्टि के आरंभ से प्रलय काल तक की अवधि को चार युगों में बांटा गया है। वर्तमान में हम जिस युग में जी रहे हैं उसे कलयुग कहा गया है। इससे पहले तीन युग बीत चुके हैं सतयुग, त्रेता और द्वापर। भगवान श्री राम का जन्म त्रेतायुग में हुआ था और द्वापर में भगवान श्री कृष्ण का। कलियुग के अंत में भगवान कलकि अवतार लेंगे और संसार में फैले पाप और अन्याय के साम्राज्य का अंत करके पुन? धर्म की स्थापना करेंगे। भगवान ने चारों युगों में सबसे कम उम्र कलियुग को प्रदान किया है। शास्त्रों में सतयुग की अवधि 17 लाख 28 हजार वर्ष बतायी गयी है और त्रेता की अवधि 12 लाख 28 हजार। द्वापर युग की अवधि 8 लाख 64 हजार है जो त्रेता से लगभग 4 लाख वर्ष कम है। कलियुग की अवधि द्वापर से ठीक आधी, यानी 4 लाख 32 हजार है।

सतयुग से कलयुग तक सभी युगों की अवधि छोटी होती गयी है। इसका कारण यह है कि, भगवान बताना चाहते हैं, जो जितना पापी होगा उसकी उम्र उतनी कम होगी। भविष्य पुराण सहित कई शास्त्रों एवं पुराणों में बताया गया है कि कलियुग में पाप की पराकाष्ठा होगी। मनुष्य का व्यवहार सृष्टि के नियम के विरूद्ध होता जाएगा। हिंसा में मनुष्य पशुओं को भी पीछे छोड़ देगा। पशु तो सिर्फ अपनी भूख मिटाने के लिए दूसरे पशु को मारते हैं मनुष्य अकारण ही दूसरे मनुष्य को मारेगा। सच्चे संत भिखारी कहलाएंगे और अपमानित होंगे। कथावाचक और झूठे संत ऊंचे आसन पर विराजमान होंगे। तुलसीदास जी ने भी कलियुग के इस रूप का वर्णन किया है।

त्रेतायुग में रावण ने सीता का हरण किया लेकिन उनकी मर्जी के बिना उन्हें अपनाना पाप समझा। इस युग में छोटा भाई बड़े भाई के प्रति आज्ञाकारी था। बड़ा भाई अपने स्वार्थ के लिए छोटे भाई के साथ छल नहीं करता था। इसका उदाहरण राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न ये चार भाई हैं। त्रेता से जब द्वापर में आते हैं तब पाप बढ़ता दिखता है। द्वापर युग में देवर अपनी भाभी को बीच सभा में नग्न करने की कोशिश करता है जिसका उदाहरण द्रौपदी चीर हरण की घटना है। राजा अपनी शक्ति के मद में अबला स्त्री को हवस का शिकार बनाना चाहता है। इसका उदाहरण जयद्रथ द्वारा द्रौपदी हरण और दुर्योधन द्वारा भीलों की कन्या का हरण करने की घटना है। भाई अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए पूरे परिवार को युद्ध की आग में झोंक देता है इसका उदाहरण महाभारत युद्ध है।

लेकिन कलियुग में आये दिन भाई-भाई, बाप-बेटे में स्वार्थ की पूर्ति के लिए लड़ाई होती है। लोगों की काम-वासना इतनी बढ़ गयी है कि आये दिन स्त्रियों का हरण होता है और उन्हें अपमानित किया जाता है। पाप आचरण से भरा हुआ कलियुग अगर अधिक दिनों का होगा तो सृष्टि में हाहाकार मच जाएगा। यही कारण है कि भगवान ने कलियुग को सबसे कम उम्र दिया।

विचार मंथन

शांति से डिगती दुनिया पहुंची युद्ध के मुहाने पर

(लेखक- डॉ हिदायत अहमद खान)

आज का वैश्विक परिदृश्य अस्थिरता और संघर्ष के संकटों से जूझता हुआ नजर आ रहा है। रुस और यूक्रेन के बीच लगातार जारी तनाव, इजराइल और हमास के बीच गाजा में संघर्ष, सीरिया संघर्ष, ईरान पर अमेरिकी हमले की आशंका, और अब पाकिस्तान एवं अफगानिस्तान के बीच सीमा पर सैन्य टकराव ने स्पष्ट कर दिया है कि दुनिया युद्ध के मुहाने पर खड़ी है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच डूरंड लाइन पर लगातार बढ़ते तनाव ने स्थिति को सीधे सैन्य संघर्ष में तब्दील कर दिया है। वैसे पाकिस्तान इन दिनों अशांति के चरम दौर से गुजर रहा है, ऐसे में उसका अफगानिस्तान से सीधा टक्कर लेना किसी बड़े झमेले में फंसने से कम नहीं है। तालिबान पर तरह-तरह के आरोप लगाकर एयरस्ट्राइक कर अपनी पीठ थपथपाने के बाद जो तस्वीर सामने आ रही है वह न सिर्फ चिंता में डालने वाली है बल्कि इंसानियत के नाते भयावह भी है। दरअसल पाकिस्तान को जवाब देते हुए अफगान सेना ने दावा किया है कि पाकिस्तानी चौकियों पर कब्जा कर 55 सैनिकों को मार गिराया और कई को बंदी बना लिया गया है। वहीं पाकिस्तान ने काबुल, कंधार और पक्तिका में हवाई हमले कर 130 से अधिक अफगान लड़ाकों को ढेर करने का दावा किया है। इससे पहले अफगानिस्तान कह चुका है कि पाकिस्तान ने आम नागरिकों को निशाना बनाया है, जिसमें मौतें भी हुई हैं। वहीं दूसरी तरफ पाकिस्तान ने 'ऑपरेशन ग़ज़ब लिल हक' के तहत तालिबान ठिकानों और चौकियों पर बमबारी की, जबकि अफगान प्रवक्ता ने पाकिस्तानी चौकियों और ब्रिगेड मुख्यालयों को निशाना बनाने का दावा किया। इस सैन्य संघर्ष में आम नागरिकों की जान पर सबसे ज्यादा खतरा मंडरा रहा है। शरणार्थी शिविरों पर मिसाइल हमलों से महिलाओं और बच्चों सहित दर्जनों घायल और मृत हुए हैं। दरअसल इस पूरे विवाद की जड़ 2,611 किलोमीटर लंबी डूरंड लाइन है, जिसे अफगानिस्तान कभी मान्यता नहीं देता। टीटीपी की गतिविधियाँ और मध्यस्थता के टूटने से सीमा पर हालात और नाजुक हो गए हैं। ऐसे समय में पाकिस्तान द्वारा भारत को इस संघर्ष में घसीटने की कोशिश ने क्षेत्रीय तनाव को और बढ़ा दिया है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने तालिबान को भारत का 'प्रॉक्सी' करार देते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं, जबकि कई विश्लेषक इसे आंतरिक असफलताओं और सीमा पर नियंत्रण खोने का ध्यान भटकाने वाला कदम मान रहे हैं। दक्षिण एशिया में यह तनाव वैश्विक शांति के लिए भी चिंता का विषय है। अगर यह संघर्ष और बढ़ा, तो क्षेत्रीय अस्थिरता और मानवीय संकट गहरा सकता है। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच टकराव न केवल स्थानीय लोगों की सुरक्षा के लिए खतरनाक है, बल्कि वैश्विक तेल, वाणिज्य और निवेश पर भी असर डाल सकता है। आखिर यह कैसे भुलाया जा सकता है भारत की सीमा से लगे अधिकांश देशों में हिंसा बढ़ी है, जेन-जी क्रांति ने नेपाल और ढाका में तो सत्ता पलटने का काम भी किया है, ऐसे में पाकिस्तान और अफगानिस्तान का संघर्ष वाकई बड़ी चिंता पैदा करने वाला है। इसलिए वैश्विक स्तर पर शांति स्थापित करने के लिए कूटनीतिक प्रयासों का महत्व बढ़ गया है। बताया जा रहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने भरोसेमंद सहयोगियों जेरेड कुशनर और स्टीव विटकॉफ को मध्यस्थता के लिए नियुक्त किया है। उन्होंने जिनेवा में ईरान, यूक्रेन और गाजा से संबंधित कई उच्चस्तरीय वार्ता की। ईरानी परमाणु समझौते और अमेरिका-इज़राइल संभावित हमलों को टालने के प्रयासों के अलावा, यूक्रेन-रूस संघर्ष में भी संवाद का रास्ता खोलने की कोशिश की गई। कुशनर और विटकॉफ की सक्रियता यह दर्शाती है कि कूटनीति केवल सरकारी संस्थानों तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि व्यक्तिगत और व्यावसायिक नेटवर्क भी संकट समाधान में भूमिका निभा सकते हैं। हालांकि, इन प्रयासों में कई चुनौतियाँ हैं। गाजा, अफगानिस्तान और यूक्रेन के मुद्दे तकनीकी, ऐतिहासिक और सामाजिक जटिलताओं से भरे हुए हैं। एक ही समय में इन सभी समस्याओं का समाधान ढूंढना व्यावहारिक रूप से कठिन है। ऐसे में कहना गलत नहीं होगा कि निजी दूतों की भूमिका में पारदर्शिता की कमी और व्यावसायिक हितों का टकराव शांति प्रयासों में बाधक बन सकता है। फिलहाल, दुनिया शांति और युद्ध के बीच संवेदनशील संतुलन पर खड़ी है। युद्ध की संभावनाएँ केवल क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर आर्थिक और मानव सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हैं। ऐसे समय में अंतरराष्ट्रीय समुदाय की जिम्मेदारी है कि वह सभी पक्षों को संयम बरतने, नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और विवादों को कूटनीतिक संवाद के माध्यम से सुलझाने के लिए प्रेरित करे। शांति की राह हमेशा आसान नहीं होती, लेकिन यही मानव सभ्यता के अस्तित्व को बचाए रखने की अंतिम कुंजी है। युद्ध की जटिलताओं और हिंसा के साये में मानवता के लिए यही चुनौती है कि हम सहयोग, संवाद और समझौते के रास्ते ढूंढें। यह केवल सरकारों का काम नहीं, बल्कि वैश्विक नागरिकों, संगठनों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की साझा जिम्मेदारी बन गई है कि वे युद्ध के खतरे को कम करें और स्थायी शांति की दिशा में कदम आगे बढ़ाएँ। यहां यह भी न भूलें कि बेशक वर्तमान में दुनिया युद्ध के मुहाने पर खड़ी है, लेकिन यही वह समय है, जबकि हम शांति की बात करें, कूटनीति को प्राथमिकता दें और ऐसे कदम उठाएँ जिससे संघर्ष के अंधकार को रोका जा सके।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

किर्लोस्कर को अडानी पावर से थर्मल पावर पंप के लिए मिला 214 करोड़ का ऑर्डर

मुंबई । किर्लोस्कर ब्रदर्स लिमिटेड को अडानी पावर लिमिटेड और उसकी सब्सिडियरी कंपनियों से थर्मल पावर प्रोजेक्ट्स के लिए सर्कुलेटिंग वॉटर पंप की सप्लाई के लिए 214 करोड़ का ऑर्डर मिला है। शुक्रवार एक एक्सचेंज फाइलिंग में कंपनी ने कहा कि अडानी पावर और उसकी सब्सिडियरी कंपनियों, अनूपपुर थर्मल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड और कोरबा पावर लिमिटेड ने कंक्रीट वोल्यूट पंप टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके सर्कुलेटिंग वॉटर पंप की सप्लाई, इरेक्शन, टेस्टिंग और कमीशनिंग के साथ-साथ सहायक कूलिंग वॉटर पंप और उससे जुड़े इलेक्ट्रिकल और कंट्रोल सिस्टम के लिए एक कॉन्ट्रैक्ट दिया है। किर्लोस्कर ब्रदर्स ने कहा कि पंप पैकेज मध्य प्रदेश, असम, छत्तीसगढ़ और बिहार में मौजूद थर्मल पावर प्रोजेक्ट्स में लगाए जाएंगे।

दूरसंचार कंपनियों का राजस्व बढ़ा, जियो ने दर्ज की सबसे तेज वृद्धि

नई दिल्ली । चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में भारतीय दूरसंचार कंपनियों का राजस्व साल-दर-साल आठ प्रतिशत बढ़कर 34 अरब डॉलर (लगभग तीन लाख करोड़ रुपये) के पार पहुंच गया। यह वृद्धि मुख्य रूप से बाजार के बड़े खिलाड़ियों की मजबूत प्रदर्शन का परिणाम है। भारती एयरटेल का राजस्व तिमाही में नौ प्रतिशत बढ़ा, जबकि वोडाफोन आइडिया का केवल दो प्रतिशत का मामूली बढ़ावा देखा गया। वहीं रिलायंस जियो ने सबसे तेज़ बढ़ोतरी दर्ज करते हुए अपने राजस्व में 11 प्रतिशत की वृद्धि की। देश के दूरसंचार क्षेत्र में इन तीनों कंपनियों की संयुक्त हिस्सेदारी 95 प्रतिशत रही, जो दर्शाता है कि बाजार अभी भी बड़े खिलाड़ियों के प्रभुत्व में है। पूंजी बाजार एवं निवेश समूह सीएलएसए की रिपोर्ट के अनुसार दूरसंचार क्षेत्र में यह वृद्धि उपभोक्ता संख्या बढ़ने और डेटा खपत में तेजी का संकेत देती है। विशेषज्ञों का कहना है कि आगामी तिमाहियों में प्रतिस्पर्धा बढ़ने के बावजूद बड़े नेटवर्क प्रदाता राजस्व वृद्धि बनाए रख सकते हैं।

आरबीआई ने डिजिटल धोखाधड़ी रोकने बैंकों और पुलिस को दिए कड़े निर्देश

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक ने 60 प्रमुख बैंकों के कार्यकारी निदेशकों और धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन प्रमुखों के लिए दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की। कार्यशाला में केंद्रीय गृह मंत्रालय के भारतीय साइबर अपराध समन्वय और महाराष्ट्र पुलिस के अधिकारी भी शामिल हुए। आरबीआई ने कहा कि डिजिटल धोखाधड़ी की बढ़ती घटनाओं के प्रभावी समाधान के लिए सभी संबंधित पक्षों के बीच मजबूत समन्वय आवश्यक है। कार्यशाला में साइबर धोखाधड़ी की रोकथाम और उसे कम करने के लिए मजबूत संचालन, निगरानी व्यवस्था, आंतरिक नियंत्रण, सुव्यवस्थित प्रक्रियाएं और अत्याधुनिक तकनीकों के उपयोग पर जोर दिया गया। आरबीआई ने बैंकों से लक्षित ग्राहक जागरूकता अभियान चलाने और अपनाई गई तकनीकी और प्रक्रियात्मक उपायों को साझा करने का आग्रह किया।

डीजीसीए ने हवाई टिकट रिफंड और संशोधन नियमों में किया बड़ा बदलाव

प्लेन की टिकट कैंसिल करवाने पर नहीं कटेगा पैसा, बस समय का रखें ध्यान

नई दिल्ली ।

नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने हवाई टिकट रिफंड और संशोधन के नियमों में अहम बदलाव किए हैं। नए प्रावधानों के तहत यात्री बुकिंग के 48 घंटे के भीतर बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के टिकट रद्द या बदल सकते हैं। यदि यात्री नई उड़ान चुनते हैं और उसका किराया अधिक है, तो किराए का अंतर देना होगा। यह सुविधा तब लागू होगी जब उड़ान की तारीख घरेलू मामलों में कम से कम 7 दिन और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में कम से कम 15 दिन दूर हो। 48 घंटे के बाद सामान्य रद्द/रिफंड नियम लागू होंगे। डीजीसीए ने यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह भी तय किया है कि अगर टिकट सीधे एयरलाइन की वेबसाइट से बुक किया गया है और 24 घंटे के भीतर नाम में कोई गलती बताई जाती है, तो एयरलाइन कोई शुल्क नहीं लेगी। यह नियम केवल सीधे बुकिंग पर लागू होगा और छोटी-छोटी टाइपिंग गलतियों के लिए यात्रियों को राहत देगा। अगर टिकट ट्रैवल एजेंट या ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से खरीदा गया है, तो रिफंड की जिम्मेदारी एयरलाइन की होगी, क्योंकि एजेंट उनके अधिकृत प्रतिनिधि माने जाते हैं। एयरलाइन को 14 कार्य दिवसों के भीतर रिफंड प्रक्रिया पूरी करनी होगी। देरी होने पर नियामक कार्रवाई की संभावना होगी, जिससे यात्रियों का पैसा लंबे समय तक फंसा नहीं रहेगा।

चिकित्सा आपात स्थिति में यदि यात्री या उसी पीएनआर पर परिवार का कोई सदस्य अस्पताल में भर्ती होता है, तो एयरलाइन रिफंड या क्रेडिट नोट का विकल्प दे सकती है। अन्य परिस्थितियों में रिफंड के लिए एयरलाइन या डीजीसीए द्वारा सूचीबद्ध विशेषज्ञ से फिटनेस' प्रमाण पत्र लेना अनिवार्य होगा। दिसंबर 2025 में एयरलाइंस को 29,212 शिकायतें मिली थीं, जिनमें लगभग 7.5 प्रतिशत रिफंड से संबंधित थीं।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया 15 पैसे टूटकर 91.06 पर बंद हुआ। वै श्विक बाजार में रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में चार पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.95 पर पहुंच गया। विदेशी पूंजी की निकासी और घरेलू शेयर बाजारों की नकारात्मक शुरुआत के कारण घरेलू मुद्रा पर दबाव बना। विदेशी मुद्रा कारोबारियों का कहना है कि डॉलर के कमजोर होने और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट ने हालांकि स्थानीय मुद्रा में और अधिक गिरावट को सीमित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.91 पर खुला लेकिन बाद में टूटकर 90.95 पर आ गया, जो पिछले बंद भाव से चार पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया गुरुवार को 90.91 प्रति डॉलर पर स्थिर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.09 फीसदी की गिरावट के साथ 97.70 पर रहा।

सिंगापुर की ठकराल कॉरपोरेशन भारत में ड्रोन कलपुर्जों का करेगा विनिर्माण

- भारत और अन्य दक्षिण एशियाई देशों में 20-30 डीजेआई रिटेल स्टोर खोलने की योजना

सिंगापुर ।

सिंगापुर स्थित ठकराल कॉरपोरेशन लिमिटेड ने अपने नवीनतम वित्तीय विवरण में भारत में विशेषीकृत और एंटरप्राइज-ग्रेड ड्रोन के विनिर्माण की संभावनाओं का अध्ययन करने की योजना की घोषणा की है। कंपनी का उद्देश्य औद्योगिक और वाणिज्यिक ड्रोन की बढ़ती मांग को पूरा करना और इस कम सेवा प्राप्त बाजार में अवसरों का लाभ उठाना है। ठकराल की अनुषंगी कंपनी भारत स्काइटेक कृषि ड्रोन क्षेत्र में सक्रिय है और घरेलू विनिर्माताओं को ड्रोन कलपुर्जों का निर्माण और आपूर्ति करती है। इससे समूह को भारत में कृषि ड्रोन खंड में तेजी से विस्तार करने का अवसर मिलेगा। समूह का चीन के डीजेआई टेक्नोलॉजी के साथ समझौता है। अगले 2-3 वर्षों में, ठकराल भारत और अन्य दक्षिण एशियाई देशों में 20-30 डीजेआई रिटेल स्टोर खोलने की योजना बना रहा है। इनमें प्रमुख शहरों में फ्लैगशिप स्टोर भी शामिल होंगे, जिनकी शुरुआत 2026 की पहली छमाही से होने की संभावना है। ठकराल ने एक उद्योग रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि भारत का ड्रोन बाजार वित्त वर्ष 2023-24 में 50 करोड़ अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2029-30 तक 11 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच सकता है। इस तेजी से बढ़ते बाजार में औद्योगिक, वाणिज्यिक और कृषि ड्रोन की मांग मुख्य प्रेरक होगी। ठकराल भारत में ड्रोन घटकों के विनिर्माण, प्रीमियम ब्रांड वितरण (जैसे नेस्प्रेसो) और रियल एस्टेट परियोजनाओं में सक्रिय है। जापान, ऑस्ट्रेलिया और चीन सहित एशिया के कई देशों में इसके परिचालन समूह को तकनीकी और बाजार विस्तार में मजबूत स्थिति प्रदान करते हैं।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 961, निफ्टी 317 अंक गिरा

निवेशकों को पांच लाख करोड़ का नुकसान

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबार दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 961.42 अंक टूटकर 81,287.19 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 317.90 अंक फिसलकर 25,178.65 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान रियल्टी और ऑटो शेयर गिरे। निफ्टी रियल्टी 2.26 फीसदी और निफ्टी ऑटो 1.86 फीसदी नीचे आये। निफ्टी एफएमसीजी 1.69 फीसदी, निफ्टी मेटल 1.67 फीसदी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 1.55 फीसदी, निफ्टी फार्मा 1.50 फीसदी गिरावट के साथ बंद हुआ। दूसरी तरफ निफ्टी आईटी 0.16 फीसदी, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.17 फीसदी और निफ्टी मीडिया 0.60 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी बिकवाली दर्ज की गयी। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 682.55 अंक टूटकर साथ 59,115.60 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 188.75 अंक फिसलकर 16,928.90 पर था। इस गिरावट से निवेशकों को पांच लाख करोड़ का नुकसान हुआ है।

सेंसेक्स पैक में एचसीएल टेक, ट्रेंट, इन्फोसिस भी लाभ में रहे थे। वहीं सन फार्मा, भारती एयरटेल, बजाज फिनसर्व, इंडिगो, एमएंडएम, मारुति सुजुकी, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचयूएल, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, पावर ग्रिड, टाटा स्टील, आईटीसी और एचडीएफसी बैंक के शेयर गिरे हैं। आज आई गिरावट का कारण विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली एफआईआई ने 3,465.99 करोड़ रुपए के इक्विटी की बिक्री की थी। इसके अलावा ईरान-अमेरिका के बीच कोई डील न होना, डॉलर के मुकाबले रुपए में गिरावट और वैश्विक बाजार से कमजोर संकेत शामिल थे। इससे पहले आज सुबह बाजार की गिरावट के साथ शुरुआत हुई।

सेंसेक्स 82,246 अंक पर लगभग सपाट खुला। सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स 237.94 अंक की बढ़त के साथ 82,010.67 पर कारोबार करता दिखा। वहीं निफ्टी 14.05 अंक बढ़कर 25,496.55 अंक पर बंद हुआ था। बाजार पर दबाव की एक बड़ी वजह अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव है।

सेबी ने सॉल्यूशन ओरिएंटेड फंड किए खत्म, अब निवेश रणनीति पर फोकस

- ये फंड अब हाइब्रिड या मल्टी-एसेट फंड्स में मर्ज कर दिए जाएंगे

मुंबई ।

सेबी ने स्पष्ट किया कि म्यूचुअल फंड का चयन अब नाम या भावुक टाइटल पर नहीं, बल्कि वास्तविक निवेश रणनीति पर आधारित होगा। इसी आदेश के तहत सॉल्यूशन ओरिएंटेड फंड कैटेगरी को पूरी तरह बंद कर दिया गया। इस श्रेणी में कुल 44 फंड थे, जिनमें 15 चिल्ड्रेन फंड और 29 रिटायरमेंट फंड शामिल थे। सेबी ने कहा है कि निवेशकों का पैसा सुरक्षित रहेगा। ये फंड अब हाइब्रिड या मल्टी-एसेट फंड्स में मर्ज कर दिए जाएंगे, जिनका जोखिम प्रोफाइल और रणनीति समान है। हालांकि, इन फंडों में नई निवेश राशि पर तुरंत रोक लगाई गई है। अब निवेशकों के लिए लाइफ स्टाइल फंड मुख्य विकल्प होंगे। इन फंडों की खासियत यह है कि जैसे-जैसे निवेशक की उम्र बढ़ेगी या लक्ष्य के साल करीब आएगा, यह फंड अपने आप रिस्क कम कर देगा। युवा निवेशकों के लिए अधिक इक्विटी और रिटायरमेंट के नजदीक अधिक डेट इंस्ट्रूमेंट्स शामिल होंगे। सेबी ने साफ कर दिया है कि ये फंड लंबी अवधि के लिए हैं, इसलिए बीच में पैसा निकालने वालों पर कड़ा जुर्माना लगेगा- 1 साल के भीतर निकासी पर 3 फीसदी चार्ज, 2 साल के भीतर निकासी पर 2 फीसदी चार्ज और 3 साल के भीतर निकासी पर 1 फीसदी चार्ज लगाया जाएगा। म्यूचुअल फंड कंपनियों को अपनी स्कीमों को नए नियमों के अनुरूप ढालने के लिए 6 महीने का समय मिला है। सेबी का उद्देश्य है कि बाजार और अधिक पारदर्शी बने, ताकि निवेशक बिना भ्रम के सही फंड चुन सकें।

1 अप्रैल से 20 फीसदी एथनॉल मिश्रित पेट्रोल बिक्री अनिवार्य

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने 1 अप्रैल से देशभर में 20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रित पेट्रोल (ई20) की बिक्री अनिवार्य कर दी है। इस संबंध में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 17 फरवरी को अधिसूचना जारी की। आदेश के अनुसार तेल विपणन कंपनियों को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कम से कम 95 रिसर्च ऑक्टेन नंबर (आरओएन) वाला एथनॉल मिश्रित पेट्रोल बेचना होगा। यह ईंधन भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के निर्धारित मानकों के अनुरूप होना चाहिए। अधिसूचना में कहा गया है कि विशेष परिस्थितियों में केंद्र सरकार तेल कंपनियों को सीमित अवधि और तय क्षेत्रों में मानकों के अनुरूप ईंधन की बिक्री की अनुमति दे सकती है। हाल के महीनों में पेट्रोल में एथनॉल मिलाने को लेकर विवाद भी सामने आए हैं। कुछ दावों में कहा गया कि गन्ने, चावल और मक्के से बने एथनॉल के उपयोग से वाहनों की माइलेज और इंजन क्षमता प्रभावित हो सकती है। हालांकि सरकार का कहना है कि उच्च आरओएन स्तर इंजन प्रदर्शन को संतुलित रखेगा। सरकार इस कदम को आयात निर्भरता घटाने और स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा देने की दिशा में अहम मान रही है।

नेटफ्लिक्स की बोली ठुकराई, पैरामाउंट ने वार्नर ब्रदर्स अधिग्रहण में बढ़त बनाई

न्यूयॉर्क ।

नेटफ्लिक्स ने वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी के स्टूडियो और स्ट्रीमिंग व्यवसाय को खरीदने के लिए अपनी नई बोली बढ़ाने से इनकार कर दिया। कंपनी ने कहा कि नई कीमत आर्थिक रूप से आकर्षक नहीं रह जाएगी। इससे पैरामाउंट को अधिग्रहण में स्पष्ट बढ़त मिल गई। स्काइडांस के स्वामित्व वाली पैरामाउंट ने पूरी कंपनी के लिए अपनी बोली बढ़ाकर प्रति शेयर 31 अमेरिकी डॉलर कर दी। साथ ही कंपनी ने सात अरब डॉलर की नियामक समाप्ति शुल्क पर भी सहमति जताई। पैरामाउंट अपने प्रस्ताव को पूरा करने के लिए अरबों डॉलर का कर्ज लेगा। वार्नर ब्रदर्स के निदेशक मंडल ने इसे 'कंपनी के लिए श्रेष्ठ प्रस्ताव' करार दिया।

नेटफ्लिक्स के विपरीत, पैरामाउंट वार्नर के सभी संचालन खरीदना चाहता है, जिसमें सीएनएन और डिस्कवरी जैसे नेटवर्क शामिल हैं। इससे सीएनएन का संयोजन पैरामाउंट के सीबीएस के साथ होगा और हॉलीवुड के प्रमुख स्टूडियो में दो

का विलय होगा। पहले वार्नर महीनों तक नेटफ्लिक्स के प्रस्ताव का समर्थन कर रहा था। लेकिन जब पैरामाउंट ने पूरी कंपनी के लिए प्रतिस्पर्धी बोली और अन्य संशोधन पेश किए, तो निदेशक मंडल ने अपनी राय बदल दी। इसका मुख्य आधार यह था कि किस प्रस्ताव से शेयरधारकों को अधिक मूल्य मिलेगा और नियामक मंजूरी मिलने की संभावना बेहतर है।

भारत स्मार्टफोन उत्पादन बढ़ाने नई पीएलआई योजना पर कर रहा है विचार

इस बार वित्तीय प्रोत्साहन मुख्य रूप से घरेलू मूल्यवर्धन से जोड़ा जाएगा

नई दिल्ली ।

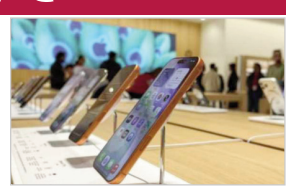

भारत सरकार स्मार्टफोन निर्माण को बढ़ावा देने के लिए एक नई उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना लाने पर विचार कर रही है। मौजूदा योजना 31 मार्च को समाप्त हो रही है। इस बार वित्तीय प्रोत्साहन मुख्य रूप से घरेलू मूल्यवर्धन से जोड़ा जाएगा, जिससे स्थानीय विनिर्माण और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूती मिलेगी। 2020 में शुरू हुई पांच साल की मौजूदा पीएलआई योजना के तहत कंपनियों को वृद्धिशील निवेश और उत्पादन मूल्य लक्ष्य पूरा करने पर 4-6 फीसदी तक प्रोत्साहन मिलता रहा। हालांकि निर्यात और प्रत्यक्ष रोजगार पर नजर रखी जाती रही, पर इन्हें अनिवार्य नहीं माना गया। योजना का कुल बजट 34,193 करोड़ रुपये था, लेकिन वास्तविक भुगतान लगभग 20,000 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। ऐपल के आपूर्तिकर्ता टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और फॉक्सकॉन, साथ ही सैमसंग और डिक्सन टेक्नॉलजीज (इंडिया) इसका बड़ा हिस्सा प्राप्त करेंगे। सरकार को उम्मीद थी कि घरेलू मूल्यवर्धन वित्त वर्ष 2026 तक 35-40 फीसदी तक बढ़ेगा, लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार यह केवल 18-20 फीसदी रह सकता है। 2020 में गलवान सीमा विवाद और प्रेस नोट 3 लागू होने के बाद चीन से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश पर रोक लग गई, जिससे चीन की कलपुर्जा कंपनियों का भारत में प्रवेश प्रभावित हुआ। इसके परिणामस्वरूप ऐपल ने चीन आधारित आपूर्तिकर्ताओं को भारत लाने की योजना छोड़ दी और स्थानीय व दूसरे देशों की कंपनियों के साथ आपूर्ति श्रृंखला विकसित करने का विकल्प चुना। ऐपल ने अब भारत में लगभग 40 कंपनियों के साथ आपूर्ति श्रृंखला बनाई है। इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय का मानना है कि नई पीएलआई योजना से न सिर्फ भारत आत्मनिर्भर होगा, बल्कि इलेक्ट्रॉनिक कलपुर्जा के क्षेत्र में बड़ा निर्यातक भी बनेगा। सरकार ने पहले ही एक बड़ी इलेक्ट्रॉनिक्स कलपुर्जा विनिर्माण योजना शुरू कर दी है ताकि स्थानीय आपूर्ति श्रृंखला मजबूत हो।

लॉरस लैब्स के शेयर में तेजी, वित्तीय और परिचालन प्रदर्शन मजबूत

पिछले दो कारोबारी सत्रों में शेयर की कीमत में 8 फीसदी का उछाल

नई दिल्ली ।

ठेके पर दवा निर्माण और जेनेरिक दवाओं की प्रमुख कंपनी लॉरस लैब्स के शेयरों ने गुरुवार को बीएसई पर करीब 3 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की और 1,103.35 रुपये के उच्चतम स्तर को छू लिया। पिछले दो कारोबारी सत्रों में इस शेयर की कीमत में कुल 8 फीसदी का उछाल आया है। सत्र के अंत में यह 1,092 रुपये पर बंद हुआ, जो 1.52 फीसदी की बढ़त दर्शाता है। पिछले छह महीनों में शेयर ने बाजार औसत से बेहतर प्रदर्शन करते हुए 26 फीसदी की वृद्धि की, जबकि बीएसई सेंसेक्स में केवल 2 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। पिछले एक साल में शेयर में 101.5 फीसदी की तेजी रही, जबकि बेंचमार्क इंडेक्स में केवल 10.2 फीसदी की वृद्धि। दिसंबर तिमाही में लॉरस लैब्स ने राजस्व में 26 फीसदी की बढ़ोतरी कर 1,778 करोड़ रुपये का आंकड़ा छुआ। सकल मार्जिन लगभग 60 फीसदी रहा और परिचालन लाभ मार्जिन में 27 फीसदी से थोड़ी अधिक बढ़ोतरी हुई। कंपनी ने यह प्रदर्शन मुख्य रूप से अपने जेनेरिक कारोबार और सीडीएमओ प्रोग्राम के मजबूत प्रदर्शन के जरिए हासिल किया। भले ही सीडीएमओ कारोबार में कुछ मंदी रही हो, फिर भी विकसित बाजारों में एंटीरेट्रोवायरल दवाओं की बढ़ी हुई मांग और चुनिंदा मॉलिक्युल की मजबूत मांग ने मार्जिन को स्थिर रखा। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के विश्लेषकों के अनुसार, वित्त वर्ष 2028 तक सीडीएमओ का योगदान 16 फीसदी से बढ़कर 32 फीसदी होने का अनुमान है। वित्त वर्ष 2022-26 में कंपनी के कुल 3,900 करोड़ रुपये के पूंजीगत खर्च का लगभग 75 फीसदी ऐक्टिव फार्मा और सीडीएमओ पर किया गया।

अमेरिका-ईरान तनाव से तेल के 110 डॉलर तक पहुंचने की आशंका

- पश्चिम एशिया में सैन्य गतिविधियां बढ़ने से सप्लाई पर पड़ सकता है असर

नई दिल्ली । अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव ने वैश्विक तेल बाजार में हलचल मचा दी है। अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क बैंट क्रूड की कीमतें हाल के दिनों में करीब 10 प्रतिशत बढ़ चुकी हैं। विश्लेषकों का मानना है कि यदि हालात और बिगड़ते हैं तो ब्रेंट कच्चा तेल 110 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकता है, जो मौजूदा स्तर से लगभग 57 प्रतिशत अधिक होगा। विशेषज्ञों के अनुसार सबसे बड़ा जोखिम स्ट्रेट आफ हारमुज से जुड़ा है। यह समुद्री मार्ग वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रतिदिन लगभग 20 मिलियन बैरल कच्चा तेल और पेट्रोलियम उत्पाद इसी रास्ते से गुजरते हैं। साथ ही दुनिया की करीब 20 प्रतिशत गैस सप्लाई भी इसी मार्ग पर निर्भर है। यदि किसी सैन्य टकराव या अवरोध के कारण यहां से आपूर्ति बाधित होती है, तो तेल कीमतों में 20 से 40 डॉलर प्रति बैरल तक का अतिरिक्त जोखिम प्रीमियम जुड़ सकता है। बाजार विश्लेषकों का कहना है कि तनाव गहराने पर कीमतें 95 से 110 डॉलर प्रति बैरल या उससे ऊपर जा सकती हैं। फिलहाल फरवरी में ब्रेंट लगभग 70 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है और हाल ही में यह 72 डॉलर तक पहुंचा था। निवेशकों और कारोबारियों में आशंका है कि पश्चिम एशिया में सैन्य गतिविधियां बढ़ने से सप्लाई पर असर पड़ सकता है। हालांकि अगर अमेरिका और ईरान के बीच कूटनीतिक समाधान निकलता है और किसी प्रकार की सैन्य कार्रवाई नहीं होती, तो कीमतों में तेजी सीमित रह सकती है। ऐसे परिदृश्य में ब्रेंट फिर से 60 डॉलर के निचले स्तर तक आ सकता है। इसके अलावा वैश्विक स्तर पर मौजूद अतिरिक्त उत्पादन क्षमता भी संभावित आपूर्ति झटकों को संतुलित कर सकती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारतीय टीम को टी20 विश्वकप सेमीफाइनल में जगह बनाने वेस्टइंडीज पर दर्ज करनी होगी बड़ी जीत

-अन्य परिणामों पर भी रखनी होगी नजर

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम की जिम्बाब्वे के खिलाफ 72 रनों की जीत के साथ ही दक्षिण अफ्रीकी टीम टी20 विश्वकप सेमीफाइनल में पहुंच गयी। इस प्रकार इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका सहित दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं। वहीं अब बचे हुए दो स्थानों के लिए भारत सहित चार टीमों वेस्टइंडीज, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के बीच मुकाबला है।

भारतीय टीम को अब सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए सुपर-8 के अपने अंतिम मुकाबले में वेस्टइंडीज से 1 मार्च को बड़े अंतर से जीतना है। इसके अलावा अन्य मैचों के परिणामों पर भी नजर रखनी होगी।

वहीं एक अन्य दावेदार न्यूजीलैंड ने 2 मैचों में से एक में जीत हासिल की है। न्यूजीलैंड को सुपर-8 के अपने अंतिम मैच में 27 फरवरी को इंग्लैंड से खेलना है। कीवी टीम अगर इंग्लैंड को हरा देती है तो उसे अंतिम ग्यारह में प्रवेश मिल जाएगा पर अगर न्यूजीलैंड इंग्लैंड से हार जाती है, तो टीम के लिए संभावनाएं काफी कम हो जाएंगी। न्यूजीलैंड के लिए केवल सकारात्मक बात ये है कि अभी टीम का नेट रन रेट प्लस 3.050 से काफी बेहतर है।

वहीं पाकिस्तान को 28 फरवरी को सुपर-8 के अपने अंतिम मैच में श्रीलंका से खेलना है। दो मैचों के बाद पाकिस्तान के पास अभी केवल एक अंक है। ऐसे में पाक अगर श्रीलंका को हरा देती है, तो टीम के कुल तीन अंक हो जाएंगे। वहीं पाक को यह भी प्रार्थना करनी होगी कि इंग्लैंड टीम न्यूजीलैंड को हरा दे। अगर पाक टीम श्रीलंका के खिलाफ जीत दर्ज करने में सफल रहती है और न्यूजीलैंड को इंग्लैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ता है तो ऐसी हालत में अच्छे नेट रन रेट वाली टीम को सेमीफाइनल में प्रवेश मिलेगा।

रिंकू सिंह के पिता का निधन, लिवर कैंसर से पीड़ित थे, बीसीसीआई सहित कई क्रिकेटरों ने शोक जताया

ग्रेटर नोएडा (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर रिंकू सिंह के पिता खानचंद्र सिंह का आज तड़के निधन हो गया। वह 60 साल के थे और पिछले काफी समय से लीवर कैंसर से पीड़ित थे। उसके पिता को गंभीर हालात में ग्रेटर ग्रेटर नोएडा के यथार्थ अस्पताल में भर्ती कराया गया था पर उन्हें बचाया नहीं जा सका।

लिवर कैंसर फोर्थ स्टेज में पहुंचने के बाद से ही उनकी हालात खराब चल रही थी। इसी कारण रिंकू भी विश्वकप के बीच ही आचानक अस्पताल पहुंचे थे। वह पिछले कुछ समय से गंभीर हालत में होने के कारण वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गये थे। डॉक्टरों ने उन्हें स्थिर करने की कोशिश की थी और लगातार किडनी रिप्लेसमेंट थेरेपी चल रही थी। मगर उनकी हालत संभल नहीं पायी। पिता के निधन के बाद से ही रिंकू के परिवार में मातम छाया हुआ है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने भी रिंकू के पिता के निधन पर शोक जताया है। शुक्ला ने लिखा, क्रिकेटर रिंकू सिंह के पिता श्री खानचंद सिंह जी के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। इस कठिन घड़ी में मेरी गहरी संवेदनाएं रिंकू और उनके समस्त परिवार के साथ हैं। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिवार को यह अपार दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें।इसके अलावा पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह सहित कई अन्य क्रिकेटरों ने भी रिंकू के परिवार के प्रति संवेदना जताती है। रिंकू गत दिवस ज़िम्बाब्वे के खिलाफ मैच भी नहीं खेल पाए थे। रिंकू अपने पिता से मिलने अस्पताल पहुंचे थे। इसके बाद वह तुरंत चेन्नई लौट आए पर टीम प्रबंधन ने उन्हें अंतिम ग्यारह में शामिल नहीं किया था।

हरमनप्रीत कौर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार की वजह बताई

होबार्ट (एजेंसी)। भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने शुक्रवार को स्वीकार किया कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दो वनडे में खराब बल्लेबाजी की वजह से उन्हें लगातार हार का सामना करना पड़ा। पिछले साल नवंबर में विश्व चैंपियन बनने के बाद यह भारतीय टीम की पहली 50 ओवर की श्रृंखला है। भारत ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में ऑस्ट्रेलिया को 2-1 से हराकर शानदार शुरुआत की। लेकिन रविवार को एक मैच बाकी रहते पहले दो वनडे गंवा दिए।

दोनों टीमें सभी प्रारूप की सीरीज खेल रही हैं जिसका फैसला अंक के आधार पर होगा। वनडे श्रृंखला के बाद एक टेस्ट भी खेला जाएगा। दूसरे वनडे में मिली पांच विकेट की हार के बाद हरमनप्रीत ने कहा, %हमने अच्छी बल्लेबाजी नहीं की। एक समूह के तौर पर हमने तय किया कि पहले बल्लेबाजी करते हैं और 300 से ज्यादा का स्कोर बनाएंगे क्योंकि पिच पिछले मैच की पिच से कहीं बेहतर थी।' उन्होंने कहा, 'लेकिन बदकिस्मती से हमने फिर वही गलतियां कीं। हमने लगातार विकेट गंवाए और ज्यादा रन नहीं बना पाए।'

हरमनप्रीत ने कहा, 'हम चाहे पहले बल्लेबाजी करें या लक्ष्य का पीछा करते हुए, हमें बहुत अच्छी बल्लेबाजी करनी होगी क्योंकि जब भी हम अच्छी बल्लेबाजी करे हैं, हम अच्छी स्थिति में होते हैं। पिछले दो मैच में हमने अच्छी बल्लेबाजी नहीं की और इसका हमें नुकसान हुआ। उम्मीद है कि अगले मैच में हम ऐसा करेंगे।'

ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली संन्यास लेने से पहले रविवार को अपना आखिरी मैच खेलेंगी। उन्होंने कहा, 'मैं परिणाम से बहुत खुश हूं। यह उन मैच में से एक था जहा मुझे लगा कि वे अच्छा स्कोर बनाने से बहुत पीछे रह गए, लेकिन साथ ही यह हमारे लिए हताशाजनक भी था क्योंकि मुझे लगा कि हम उन्हें थोड़ा और पहले आउट कर सकते थे। लेकिन इस तरह के विकेट पर उन्हें 250 रन पर रोकना हमारी टीम की एक शानदार कोशिश थी।'

जॉर्जिया, लिचफील्ड की अच्छी बल्लेबाजी से ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम ने दूसरे एकदिवसीय में भी भारतीय टीम को हराया

-सीरीज 2-0 से जीती

होबार्ट (एजेंसी)। जॉर्जिया वोल के शतक 101 रन और फीबी लिचफील्ड के 80 रनों की सहायता से मेजबान ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम ने यहां खेले गये दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में भारतीय टीम को पांच विकेट से हरा दिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए प्रतिका रावल के अर्धशतक से भारतीय टीम ने 9 विकेट पर 251 रन बनाए। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 36.1 ओवरों में ही पांच विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। इस प्रकार तीन मैचों की सीरीज मेजबान टीम ने 2-0 से जीत ली है। ऑस्ट्रेलिया ने पहना एकदिवसीय भी जीता था।

इस दूसरे मैच में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए प्रतिका के अर्धशतक से 9 विकेट पर 251 रन बनाए। प्रतिका ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 81 गेंदों में छह चौके लगाकर 52 रन बनाये। प्रतीका ने स्मृति मंधाना 31 के साथ पहले विकेट के लिए 78 रन बनाये। इसके बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर ने भी 70 गेंद पर दो चौकों और एक छक्के की मदद से 54 रन बनाकर पारी को संभाला। अंत में टीम 50 ओवरों में 251 रनों के अच्छे स्कोर तक पहुंच पायी। ऑस्ट्रेलिया ने जॉर्जिया के 101 और लिचफील्ड के 80 रनों की सहायता से तय ओवरों से पहले ही मैच जैच लिया। इस प्रकार

ऑस्ट्रेलिया ने भारतीय टीम के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज जीत का सिलसिला बरकरार रखा है। इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत भी ठीक नहं रही और उसने कप्तान एलिसा हीली का विकेट शुरुआत में ही खो दिया। हीली ने केवल 6 रन बनाये। इसके बाद दूसरे विकेट के लिए 15.4 ओवर में 119 रन बनाकर जॉर्जिया और लिचफील्ड ने अपनी टीम को संभाला। भारत की ओर से भारत की ओर से काशवी गौतम ने 47 रन देकर दो विकेट लिए। जबकि दीप्ति शर्मा ने 32 रन देकर दो विकेट लिए।

एशले गार्डनर ने चौका लगाकर अपनी टीम को जीत दिलायी।

बांग्लादेश भी शुरु कर रहा महिला क्रिकेट लीग, भारतीय खिलाड़ियों को भी दिया आमंत्रण

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) भी अब भारत के डब्ल्यूपीएल की तर्ज पर महिलाओं के लिए एक क्रिकेट लीग शुरु हरने जा रही है। इस लीग का नाम बांग्लादेश महिला प्रीमियर लीग (डब्लयूबीपीएल) रखा गया है। इस लीग के मुकाबले 4 से 14 अप्रैल तक चलेंगे। ये टूर्नामेंट तीन टीमों के बीच होगा। बीसीबी ने इस लीग में खेलने का आमंत्रण भारतीय महिला खिलाड़ियों को भी दिया है। ये लीग इस उद्घाटन 4 अप्रैल को चटगांव में मुकाबले के साथ ही होगा। वहीं इसका खिताबी मुकाबला ढाका में खेला जाएगा। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप इसी साल जून में होने वाली है और ऐसे में बीसीबी को उम्मीद है कि इस लीग से खिलाड़ियों को अभ्यास का अच्छा अवसर मिलेगा। इसके साथ ही इससे नई प्रतिभाएं भी सामने आयेंगी। बीसीबी के अनुसार उसने इसमें शामिल होने का आमंत्रण भारतीय महिला क्रिकेटरों के साथ ही सभी देशों को दिया है। लीग गवर्निंग काउंसिल की प्रमुख रुबाबा डोवला ने कहा कि किसी भी देश की खिलाड़ी पर इसमें भाग लेने कोई रोक नहीं है। हाल ही में जिस प्रकार बीसीबी के भारतीय बोर्ड से मतभेद हुए हैं। उसको देखते हुए माना जा रहा है कि बीसीबी अब भारतीय बोर्ड से संबंधों को बेहतर करना चाहता है। डब्लयूबीपीएल इस लीग के लिए नीलामी मॉडल की जगह ड्राफ्ट सिस्टम अपनाएगा।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक में बदले हुए वजन वर्ग में उतरेंगे पहलवान रवि दहिया

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता पहलवान रवि कुमार दहिया ने कहा है कि उनका लक्ष्य लॉस एंजिल्स ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतता है और इसके लिए वह तैयारी भी कर रहे हैं। टोक्यों ओलंपिक के 57 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में रजत पदक विजेता रवि इसके बाद साल 2024 में पेरिस ओलंपिक में वह जगह नहीं बना पाये और इसी कारण अब वह अपना भार वर्ग बदलकर लॉस एंजिल्स ओलंपिक की तैयारी कर रहे हैं। रवि 57 किग्रा की जगह अब 65 किग्रा भार वर्ग में हिस्सा ले सकते हैं। उनसे देश को अगले ओलंपिक में स्वर्ण पदक की उम्मीद है। इस खिलाड़ी का कहना है कि वह रजत तक ही सीमित नहीं रह सकते हैं। उनका लक्ष्य स्वर्ण जीतना है। रवि को पहचान 2018 में अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप में मिली। तब 57 किलोग्राम भार वर्ग में उन्होंने रजत पदक जीता था। वहीं साल 2019 में विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर उन्होंने टोक्यो ओलंपिक में अपनी जगह पक्की की थी। रवि एशियाई चैंपियनशिप में भी विजेता हैं। 2018, 2020, और 2021 में उन्होंने इसमे स्वर्ण पदक जीते थे।टोक्यो ओलंपिक के बाद उन्होंने साल 2022 में राष्ट्रमण्डल खेलों में भी दहिया ने स्वर्ण पदक जीता था।उनके पिता राकेश दहिया तो किसान हैं, लेकिन उनके चाचा मुकेश दहिया कुश्ती से जुड़े रहे हैं। इस वजह से रवि को कुश्ती विरासत में मिली है, जिसे उन्होंने अपने प्रयासों से सफल बनाया है। रवि ने केवल 10 साल की उम्र में दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में कुश्ती प्रशिक्षण के लिए दाखिला लिया।

अभिषेक के फार्म हासिल करने पर युवराज ने खुशी जतायी, बोले बल्ले से ही आता है असली जवाब

नई दिल्ली। पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह टी20 विश्वकप में अपने शिष्य अभिषेक शर्मा की शानदार पारी से बेहद खुश हैं। अभिषेक इस टूर्नामेंट में पहली बार अच्छी पारी खेलने में सफल रहे हैं। अभिषेक ने जिम्बाब्वे के खिलाफ सुपर-आठ में 55 रनों की शानदार पारी खेलकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वहीं शुरुआती तीन लीग स्तर के मैचों में वह शून्य पर ही पेवेलियन लौट गये थे जबकि सुपर-8 के पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 15 रन ही बना पाये थे। ऐसे में वह प्रशंसकों के निशाने पर थे। वहीं अब अभिषेक ने जिम्बाब्वे के खिलाफ शर्मा ने 30 गेंद में 55 रन बनाकर लय हासिल की है। उन्होंने अपनी पारी के दौरान 4 छक्के भी जड़े। सेमीफाइनल से ठीक पहले अभिषेक के फार्म में आने से उनके गुरु युवराज बेहद खुश हैं। उन्होंने सोशल मीडिया में लिखा, अच्छी पारी सर अभिषेक, जारी रखो। अभिषेक ने जिम्बाब्वे के खिलाफ संभलकर खेला पर अवसर मिलते हुए बड़े शॉट भी लगा दिये। इस बल्लेबाज ने हर गेंद पर बड़े शॉट लगाने की जगह पर स्ट्राइक रोटेट करने पर ध्यान दिया जिससे भी उन्हें लाभ हुआ। इसी को देखते हुए युवराज ने लिखा, असली जवाब तब होता है जब आप अपने बल्ले को ही सारी बात करने देते हैं। अच्छी पारी, सर अभिषेक। ऐसे ही लगे रहिए।

हम विरोधी गेंदबाजों में डर देखना चाहते थे: तिलक

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय टीम के बल्लेबाज तिलक वर्मा ने कहा कि जिम्बाब्वे के खिलाफ मुकाबले में टीम तय करके उतरी थी कि शुरुआत से ही विरोधी टीम पर दबाव बनाया जाये। तिलक के अनुसार हमारी टीम चाहती थी कि विरोध गेंदबाजों के अंदर डर का माहौल बने। जिससे कि वह सटीक गेंदबाजी नह कर पायें। भारतीय टीम ने चेन्नई में हुए इस सुपर-8 मैच में 256 रन बनाकर जिम्बाब्वे के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज की। तिलक ने कहा, हम टीम के रूप में अच्छा स्कोर बनाना चाहते थे। हमने इस पर बात की थी कि अगर हम पावर प्ले में तीन या चार विकेट भी गंवा दें तब भी आक्रामक होकर ही खेलेंगे।

तिलक ने संजू सैमसन की पारी की भी सराहना की। सैमसन ने पारी की शुरुआत करते हुए 15 गेंद पर 24 रन बनाए और अभिषेक शर्मा के साथ पहले विकेट के लिए 3.4 ओवरों में ही 48 रनों की साझेदारी बनायी। तिलक ने कहा, जब सलामी बल्लेबाज अच्छी शुरुआत देते हैं तो इससे तीसरे, चौथे और पांचवें नंबर के बल्लेबाजों का भी मनोबल बढ़ता है। सैमसन ने अच्छी शुरुआत की। इसके बाद हम विरोधी गेंदबाजों के अंदर डर देखना चाहते थे। और तिलक ने कहा कि खिलाड़ियों ने चेपॉक में खेले गए मैच से पहले पिछले टी20 मैचों के वीडियो देखे। उन्होंने कहा, हमने मैच से ठीक पहले बात की थी कि हम सकारात्मक मानसिकता के साथ मैदान में उतरेंगे। हमने पिछले एक साल में टी20 क्रिकेट में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। इन वीडियो को देखने के बाद हम सभी का मनोबल बढ़ा। तिलक ने कहा कि मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भी टीम के सदस्यों को बिना किसी दबाव के अपना स्वाभाविक खेल खेलने को कहा था। उन्होंने कहा, कोच कहा था कि हालात चाहे कैसी भी हो, बस उस तरह की क्रिकेट को याद रखें जो हमने पिछले साल से तथा न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीजमें खेली थी।तिलक ने कहा कि पिछले मैचों के वीडियो देखने और कोच की बातों से बल्लेबाजों के अंदर उत्साह पैदा। उन्होंने कहा, अहमदाबाद और दिल्ली दोनों की पिचें अच्छी थीं पर इस खेल में मानसिकता भी अहम भूमिका निभाती है। पहले हमारी मानसिकता यह थी कि विकेट गिरने के बाद हम बड़े शॉट खेलने के लिए थोड़ा समय देते थे पर इस मैच में अहम अगल रणनीति से उतरे। इससे पूरा दबाव विरोधी टीम पर आ गया।

सेंटनर जैसा कप्तान होना हमारे लिए फायदेमंद : रचिन रविंद्र

कोलंबो। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर रचिन रविंद्र ने टीम के कप्तान मिचेल सैंटनर की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह खिलाड़ियों को मजबूती का अनुभव कराते हुए बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करते हैं। रचिन के अनुसार सैंटनर किसी भी परेशानी में टीम के बचाव में उतरते हैं और अपने खिलाड़ियों को सुरक्षित अनुभव कराते हैं। रविंद्र ने कहा, सैंटनर काफी शांत स्वभाव के हैं पर इसके साथ ही उनका सोचने का अंदाज भी काफी सुलझा हुआ है, जैसे कि किस छोर से कैसी गेंद की जानी चाहिये। इससे भी अहम बात ये है कि वह अच्छा प्रदर्शन करके आगे बढ़कर नेतृत्व करते हैं। वह हमेशा खिलाड़ियों के साथ खड़े रहते हैं और उनका हौसला बढ़ाते हैं। मेरा मानना है कि उनके जैसा कप्तान मिलना टीम के लिए काफी फायदेमंद है। उनके नेतृत्व में मैदान पर उतरते ही आपको ऐसा अहसास होता है जैसे आप काफी सशक्त। टीम में उनकी मौजूदगी से ही खिलाड़ी प्रेरित रहते हैं। यह केवल खिलाड़ियों को प्रेरित करने तक सीमित नहीं है। उपमहाद्वीप की पिचों पर गेंदबाजी करने का सैंटनर का अनुभव भी उन्हें विशेष बनाता है। वह अपनी स्पिनरों की हर प्रकार से सहाता करते हैं। इसीक कारण आज हमारे पास उनकी तरह के कई गेंदबाज हैं। वह हमें बताते हैं कि कैसी गेंदबाजी करनी है। इससे उभारते हुए खिलाड़ियों को काफी लाभ होता है।

किदांबी श्रीकांत बाहर, जर्मन ओपन में भारत का अभियान खत्म

मुल्हेम एन डेर रूहर। जर्मन ओपन 2026 में भारत की चुनौती गुरुवार को निराशाजनक तरीके से खत्म हुई, जब किदांबी श्रीकांत पुरुष सिंगल्स के दूसरे राउंड में सीधे गेम में हार गए, और टूर्नामेंट से बाहर हो गए। पूर्व वर्ल्ड चैंपियनशिप सिल्वर मेडलिस्ट और मौजूदा वर्ल्ड नंबर 32 चीनी ताइपे के 11वीं रैंक वाले लिन चुन-यी से सिर्फ़ 32 मिनट में 21-14, 21-9 से हार गए। ताइवानी शटलर के खिलाफ़ इतने ही हेड-टू-हेड मुकाबलों में श्रीकांत की यह दूसरी हार थी। जनवरी में इंडिया ओपन 2026 का टाइटल जीतने वाले लिन ने इससे पहले स्विस ओपन 2024 के सेमीफाइनल में श्रीकांत को तीन गेम में हराया था। श्रीकांत ने शानदार शुरुआत की, पहले गेम में 9-5 की बढ़त बना ली। हालांकि, लिन ने धीरे-धीरे वापसी की, कमी को दूर करते हुए 12-10 से आगे हो गए और फिर आराम से पहला गेम जीत लिया। इंटरवल के बाद ताइवानी शटलर का मोमेंटम मज़बूत रहा, उन्होंने दूसरे गेम में 7-1 की बढ़त बना ली और पूरे गेम में कंट्रोल बनाए रखा, जिससे श्रीकांत वापसी नहीं कर पाए। इंडियन खिलाड़ी ने इंडिया ओपन और इंडोनेशिया मास्टर्स में क्वार्टर-फाइनल में जगह बनाने के बाद इस टूर्नामेंट में एंट्री की थी और इस महीने की शुरुआत में बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप में भी देश को रिप्रेजेंट किया था। बुधवार को जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप की सिल्वर मेडलिस्ट तन्वी शर्मा, मालविका बंसोड़ और किरण जॉर्ज के पहले राउंड से बाहर होने से भारत की चुनौती पहले ही कम हो गई थी। भारतीय शटलर अब मशहूर ऑल इंग्लैंड ओपन 2026 में हिस्सा लेंगे, जो अगले मंगलवार को बर्मिंघम में शुरू होगा।

टी20 विश्व कप : जिम्बाब्वे पर जीत से सूर्यकुमार खुश, लेकिन इस विभाग में सुधार की बात की

चेन्नई (एजेंसी)। बल्ले से थोड़ी देर के लिए कुछ खास करने के बाद, भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव पूरी टीम से बहुत खुश थे, जिन्होंने सबसे जरूरी मौके पर अच्छा प्रदर्शन किया, क्योंकि पिछली चैंपियन टीम ने कल रात यहां जरूरी मैच में जिम्बाब्वे को 72 रन से हराकर टी20 वर्ल्ड कप से बाहर कर दिया।

भारतीय कप्तान ने बाएं हाथ के अभिषेक शर्मा की जबरदस्त हाफ सेंचुरी से शो जीत लिया, जिन्होंने तीन बार डक के बाद अपनी बड़ी हिटिंग स्किल में वापसी का इशारा दिया, और प्लेयर ऑफ द मैच हार्दिक पांड्या ने जिम्बाब्वे के अटैक का जमकर मजा लिया, जिससे भारत ने चार विकेट पर 256 रन बनाए, जो भारत का अब तक का सबसे बड़ा टोटल और टी20 वर्ल्ड कप का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर था। बाद में गेंदबाजों ने भी बैट्समैन के अच्छे काम में अपनी भूमिका निभाई और जिम्बाब्वे को 6 विकेट पर 184 रन पर रोक दिया, जिससे भारत ने 72 रन के बड़े अंतर से जीत हासिल की और सेमीफाइनल की अपनी उम्मीदें जिंदा रखीं।

भारत को अपने पहले सुपर आठ मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका से बड़ी हार का सामना करना पड़ा था। भारत का अगला मैच वेस्टइंडीज के खिलाफ मशहूर ईडन गार्डन में एक तरह से क्वार्टरफाइनल नॉकआउट होगा, जिसमें जीतने वाला लास्ट फोर ग्रेड में पहुंच जाएगा। मैच के बाद सूर्यकुमार यादव ने कहा कि सभी बल्लेबाजों का योगदान देखकर खुशी हुई, उन्होंने सब कुछ पीछे छोड़ दिया (प्रोटियाज़ के खिलाफ हार)। हालांकि उन्होंने कहा कि टीम बॉल के साथ और क्लिनिकल हो सकती थी, लेकिन स्काई ने कहा, 'जीत तो जीत होती है और कैरिबियन के खिलाफ नॉक आउट मुकाबले से पहले शिकंजा कसने की अहमियत के बारे में बात की।'

सूर्यकुमार यादव ने जिम्बाब्वे के बल्लेबाजों को भी पूरा क्रेडिट देते हुए कहा कि उन्होंने बहुत स्मार्ट बैटिंग की, जिसमें ओपनर ब्रायन बेनेट 97 (834, 636) रन पर नाबाद रहे और एक ऐसे टारगेट का पीछा करते हुए अकेले ही आगे बढ़े जो नामुमकिन साबित हुआ। स्काई ने कहा, 'हम सब कुछ पीछे छोड़ना चाहते थे, पिछला गेम, ग्रुप स्टेज। सभी बैट्समैन का योगदान था और यह देखकर खुशी हुई।हम बॉल के साथ और क्लिनिकल हो सकते थे लेकिन जीत तो जीत होती है। हमें वेस्ट इंडीज मैच से पहले अपना शिकंजा कसने की जरूरत है।'

उन्होंने कहा, 'मैं जिम्बाब्वे के बल्लेबाजों से कोई क्रेडिट नहीं लेना चाहता। जिस तरह से उन्होंने बैटिंग की, वह बहुत स्मार्ट थी। बॉलिंग के नजरिए से, हम और बेहतर हो सकते थे। जब हम ऐसे हालात में होते हैं, तो हमें हिम्मत दिखानी होती है। जब हम कोलकाता पहुंचेंगे तो हम प्लान के बारे में सोचेंगे।'

संगकारा ने श्रीलंकाई क्रिकेट में बदलाव की जरुरत बतायी

कोलंबो। श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कुमार संगकार ने अपनी मेजबानी में हो रहे आईसीसी टी20 विश्वकप से टीम के बाहर होने पर निराशा जतायी है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि ये हमारे क्रिकेट भविष्य को लेकर एक चेतावनी भी है, अगर हम अभी नहीं संभले तो इसी प्रकार पिछड़ते जाएंगे। इसलिए अब हमें बड़े बदलाव की जरुरत है। संगकारा ने कहा, इस प्रकार बाहर होने सो हर तरफ बहुत दर्द है। प्रशंसक टूट चुके हैं, निराश और गुस्से में हैं। खिलाड़ी भी बेहद आहत हैं। मैं ऐसे ड्रेसिंग रूम में रहा हूं, यह आसान नहीं होता। लेकिन देश का प्रतिनिधित्व करना एक जिम्मेदारी भी है और सौभाग्य भी। संगकारा ने खिलाड़ियों के जज्बे को समझते हुए कहा कि यह जिम्मेदारी का हिस्सा है, लेकिन इससे उबरने के लिए बदलाव जरूरी है। संगकारा ने कहा कि इस हार से हमें सबके लेते हुए खेल ढ़ांच में बदलाव करना होगा। साथ ही कहा, हर स्तर पर हमें काफी कुछ करने की जरुरत है। हम एक जैसी गलतियां दोहराते रहेंगे तो बेहतर परिणामों की उम्मीद नहीं की जा सकती है। अधुनिक क्रिकेट तेजी से बदल रहा है और हमें उसके अनुरुप ढ़लना होगा। अगर हमने अपने को नहीं बदला तो हम बाहर हो जाएंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में सिख को अगवा कर हत्या की, इरादतन निशाना नहीं

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिका में 57 वर्षीय एक सिख अवतार सिंह का अपहरण होने के कुछ दिन बाद उनका शव मिला है। अधिकारी बोले, उन्हें किसी इरादे के तहत निशाना नहीं बनाया गया है। अवतार सिंह 17 फरवरी की रात कैलिफोर्निया के ट्रेसी शहर से लापता हुए थे। जांच के दौरान सीसीटीवी कैमरे के फुटेज में एक सफेद एसयूवी और गहरे रंग के कपड़े पहने तीन अज्ञात व्यक्तियों को सिंह के साथ देखा गया। इसमें ऐसा लगा कि सिंह अपनी मर्जी के विरुद्ध वाहन में बैठे। सैन जोआक्विन काउंटी शेरिफ कार्यालय ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि 20 फरवरी को नापा काउंटी के शेरिफ कार्यालय ने लेक बेरीएसा के पास उनका शव बरामद किया। अधिकारियों ने कहा, मामले की जांच हो रही है और जिम्मेदार लोगों की पहचान की जा रही है।

किसी अन्य पर था अपहर्ताओं का निशाना

एक रिपोर्ट के अनुसार, सैन जोआक्विन काउंटी शेरिफ पैट्रिक विद्रो ने कहा, आरोपियों का इरादा सिंह को अगवा कर उनकी हत्या करना नहीं था। अपहरणकर्ता किसी अन्य व्यक्ति पर किसी विशेष कारण से निशाना साध रहे थे और उम्मीद है कि वह कारण सामने आएगा।

ऑस्ट्रेलियाई पीएम को बम की धमकी, खाली कराया आवास

कैनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पीएम एंतोनियो अल्बनीज को एक बम धमकी के बाद मंगलवार देर रात कैनबरा स्थित उनके आधिकारिक आवास से कुछ घंटों के लिए हटा दिया गया। हालांकि, बाद में जांच में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिलने पर वे लौट आए। पुलिस ने कहा, धमकी भरे ईमेल प्रतिबंधित चीनी नृत्य समूह शेन यून को भेजे गए थे। इसमें दावा किया था कि यदि समूह ने ऑस्ट्रेलिया में प्रदर्शन किया तो पीएम आवास के पास रखे विस्फोटक सक्रिय कर दिए जाएंगे।

इंडोनेशिया : 11 साल सजा काटने के बाद हत्यारा रिहा, देश निकाला

बाली, एजेंसी। इंडोनेशिया ने बाली के चर्चित सूटकेस मर्डर मामले में 11 साल की सजा काट चुके अमेरिकी नागरिक टॉमी शैफर को रिहा कर मंगलवार को देश से निष्कासित कर दिया। साल 2014 में बाली में अपनी प्रेमिका की मां शीला वॉन वीसे-मैक की हत्या के लिए शैफर को 18 साल की सजा सुनाई गई थी। इसके बाद अच्छे आचरण के कारण सजा में छूट मिलने के बाद उसे बाली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से अमेरिका भेजा गया। बता दें कि मामले में शैफर की प्रेमिका हीदर मैक को भी गिरफ्तार किया गया था।

म्यांमार में सैन्य पकड़ होगी मजबूत खिन यी संभालेंगे संसद की कमान

नेप्यीडॉ, एजेंसी। म्यांमार में हालिया चुनावों के बाद सेना समर्थित पार्टी यूएसपीडीपी सत्ता पर पूर्ण नियंत्रण की तैयारी में है। सूत्रों के अनुसार, सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर जनरल और पार्टी प्रमुख खिन यी को संसद के निचले सदन का अध्यक्ष (स्पीकर) नियुक्त किया जा सकता है। यह पद राष्ट्रपति चुनाव और विधायी प्रक्रियाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। चुनाव में यूएसडीपी ने 81 फीसदी सीटें जीती हैं। जानकारी के मुताबिक, एक नई पांच सदस्यीय यूनियन कंसल्टेटिव काउंसिल का गठन किया जाएगा। इससे सैन्य प्रमुख मिन आंग ह्लाइंग के लिए राष्ट्रपति बनने का मार्ग प्रशस्त होगा।

श्रीलंका : पूर्व खुफिया प्रमुख की गिरफ्तारी

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के पूर्व राज्य खुफिया सेवा प्रमुख सुरेश सैली को 2019 के ईस्टर धमाकों की जांच के सिलसिले में बुधवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, सैली को पुलिस के अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने कोलंबो के उपनगर पेलियागोड़ा में उस समय हिरासत में लिया, जब वह एक गैर-सरकारी संगठन में काम करने जा रहे थे।

सूडान में अत्याचार पर संयुक्त राष्ट्र की कार्रवाई

खार्तूम, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने सूडान के अर्धसैनिक संगठन रैपिड सपोर्ट फोर्सेस (आरएसएफ) के चार कमांडरों पर प्रतिबंध लगा दिया है। इन पर दारफुर के एल-फाशेर शहर में आम लोगों की हत्या और अत्याचार करने का आरोप है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में कहा गया है कि आरएसएफ ने गैर-अरब समुदाय के लोगों को निशाना बनाया, बड़े पैमाने पर हत्याएं कीं और महिलाओं के साथ यौन हिंसा की। बताया गया कि हजारों लोग मारे गए और कई लोग अब भी लापता हैं। जिन लोगों पर प्रतिबंध लगाया गया है उनमें आरएसएफ के प्रमुख जनरल मोहम्मद हमदान डगालो और उनके भाई अब्दुल रहीम डगालो भी शामिल हैं।

'मैंने दोस्त मोदी को चौंका दिया', डिनर से पहले 'देसी' हुए पीएम नेतन्याहू, पहने भारतीय कपड़े

तेल अवीव, एजेंसी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को अपने भारतीय समकक्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके संयुक्त रात्रिभोज से पहले पारंपरिक भारतीय परिधान पहनकर चौंका दिया। खुद नेतन्याहू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट शेयर करते हुए अपना वीडियो जारी किया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि बेंजामिन नेतन्याहू ने भारतीय और पश्चिमी परिधान का एक आकर्षक मिश्रण पहना हुआ है।

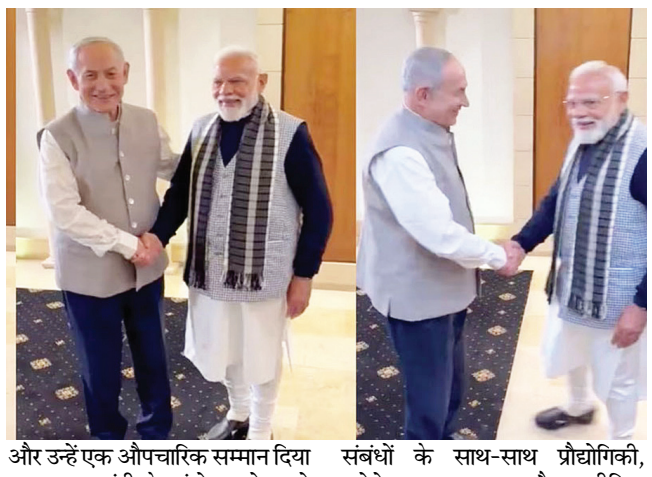

उन्होंने एक सफेद रंग की फुल-स्लीव शर्ट के ऊपर हल्के ग्रे (स्लेटी) रंग की एक स्लीवलेस जैकेट पहनी है, जो पारंपरिक भारतीय 'नेहरू जैकेट' या 'बंडी' जैसी लग रही है और उन्हें एक बेहतरीन 'देसी' लुक दे रही है। इसके साथ ही, उन्होंने नीचे डार्क रंग की फॉर्मल पैंट और काले रंग के चमड़े के फॉर्मल जूते पहने हुए हैं। पीएम नेतन्याहू ने हिंदी में लिखा- हमारे संयुक्त रात्रिभोज से पहले, मैंने अपने मित्र प्रधानमंत्री मोदी को पारंपरिक भारतीय परिधान पहनकर चौंका दिया।

इजरायली संसद में पीएम मोदी का ऐतिहासिक संबोधन : इससे पहले दिन में, पीएम मोदी ने यरुशलम में नेसेट (इजरायली संसद) के एक विशेष पूर्ण सत्र को संबोधित किया। वह इजरायल की संसद को संबोधित करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बन गए हैं। नेसेट पहुंचने पर, स्पीकर अमीर ओहाना ने प्रधानमंत्री का स्वागत किया और उन्हें एक औपचारिक सम्मान दिया गया। प्रधानमंत्री के संबोधन से पहले इजरायल के पीएम नेतन्याहू, विपक्ष के नेता येर लैपिड और स्पीकर ओहाना ने सत्र में अपने विचार रखे जो भारत-इजरायल संबंधों के प्रति इजरायल के मजबूत द्विदलीय समर्थन को दर्शाता है।

'स्पीकर ऑफ द नेसेट' पदक से सम्मान : पीएम मोदी ने अपने संबोधन की शुरुआत इस विशेष सम्मान के लिए स्पीकर को धन्यवाद देकर की। उन्होंने 'स्पीकर ऑफ द नेसेट' पदक से सम्मानित किए जाने पर आभार व्यक्त किया और इस पदक को दोनों देशों की स्थायी मित्रता और साझा लोकतांत्रिक परंपराओं को समर्पित किया।

भारत-इजरायल संबंधों पर पीएम मोदी : पीएम मोदी ने भारत और इजरायल के बीच प्राचीन सभ्यतागत संबंधों के साथ-साथ प्रौद्योगिकी, इनोवेशन, रक्षा, सुरक्षा और रणनीतिक तालमेल पर आधारित एक मजबूत आधुनिक साझेदारी पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कृषि, ग्रामीण विकास, जल प्रबंधन, स्थिरता और उद्यम जैसे क्षेत्रों में सहयोग ने दोनों देशों के लोगों के बीच के रिश्तों को एक गतिशील दृष्टिकोण प्रदान किया है। प्रधानमंत्री ने दोनों देशों के ऐतिहासिक संबंधों को रेखांकित करते हुए कहा कि इजरायल में रहने वाले भारतीय समुदाय और भारत में यहूदी प्रवासियों ने दोनों देशों की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

आतंकवाद पर कड़ा रुख और शांति की अपील : आतंकवाद के खिलाफ दोनों देशों की 'जीरो टॉलरेंस' की अडिग नीति को दोहराते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने 7 अक्टूबर को हुए आतंकी हमले पर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि इस तरह की क्रूरता और बर्बरता को किसी भी रूप में उचित नहीं ठहराया जा सकता। अंत में, उन्होंने क्षेत्र में स्थायी शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने वाले सभी प्रयासों को भारत का पूर्ण समर्थन देने की पेशकश की।

पीएम मोदी और नेतन्याहू की मुलाकात बेहद खास : नेतन्याहू को बीबी निकनेम से भी पुकारा जाता है। उन्होंने पीएम मोदी के साथ मुलाकात के खास लम्हे का एक वीडियो भी साझा किया है। खास बात ये है कि नेतन्याहू ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर हिंदी भाषा में खास संदेश भी लिखा है। नेतन्याहू के भारतीय पोशाक पहनने की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। ऐसी ही एक अन्य तस्वीर दोनों के एक ही कार में बैठने की भी है। राष्ट्राध्यक्षों के साथ पीएम मोदी की कार वाली तस्वीरों को उनकी कार डिप्लोमेसी की तरह भी देखा जाता है। दरअसल, प्रधानमंत्री मोदी के सम्मान में आयोजित रात्रिभोज से पहले इस्त्राइल के प्रधानमंत्री ने पीएम मोदी से मुलाकात के दौरान भारतीय परिधान धारण किया। उन्होंने इसकी झलकियां साझा करते हुए इंस्टाग्राम हैंडल पर लिखा, 'हमारे संयुक्त रात्रिभोज से पहले, मैंने अपने मित्र प्रधानमंत्री मोदी को पारंपरिक भारतीय परिधान पहनकर चौंका दिया।

किम जोंग उन ने दक्षिण कोरिया को दी कड़ी चेतावनी

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने एक बार फिर दक्षिण कोरिया को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर उत्तर कोरिया की सुरक्षा को कोई खतरा हुआ तो उनका देश दक्षिण कोरिया को 'पूरी तरह तबाह' कर सकता है। साथ ही उन्होंने साफ कर दिया कि फिलहाल वह सियोल सरकार से बातचीत के इच्छुक नहीं हैं। हालांकि, किम जोंग उन ने अमेरिका के साथ बातचीत की संभावना पूरी तरह बंद नहीं की। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका अपनी दुश्मनी वाली नीतियां छोड़ दे, तो फिर से वार्ता शुरू की जा सकती है। पिछले कई वर्षों से दोनों देशों के बीच परमाणु मुद्दे पर बातचीत रुकी हुई है। राज्य मीडिया के मुताबिक, किम ने अपनी सत्तारूढ़ पार्टी की बैठक के समापन पर अगले पांच वर्षों की नीति का खाका पेश किया। उन्होंने नए हथियार सिस्टम विकसित करने पर जोर दिया। इसमें पानी के अंदर से छोड़े जा सकने वाले अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल और दक्षिण कोरिया को निशाना बनाने वाले कम दूरी के परमाणु हथियार शामिल हैं। किम ने दावा किया कि तेजी से विकसित हो रहे परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम ने उत्तर कोरिया को स्थायी रूप से परमाणु शक्ति संपन्न देश बना दिया है।

बांग्लादेश में अवामी लीग नेताओं को दोबारा गिरफ्तार करने का आदेश : ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के राजशाही रेंज के पुलिस प्रमुख ने आदेश दिया है कि प्रतिबंधित अवामी लीग के जो नेता और कार्यकर्ता जमानत पर बाहर आए हैं, उन्हें दूसरे मामलों में फिर से गिरफ्तार किया जाए। यह आदेश दो दिन पहले जारी हुआ। पुलिस अधिकारी ने कहा कि जिन लोगों के फिर से सक्रिय होने की संभावना है और जो पार्टी को मजबूत कर सकते हैं, उन्हें नए मामलों में गिरफ्तार किया जाए। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि आदेश में किसी पार्टी का नाम सीधे नहीं लिया गया है। पिछले साल छात्र आंदोलन के बाद शेख हसीना की सरकार गिर गई थी। इसके बाद अंतरिम सरकार ने अवामी लीग की गतिविधियों पर रोक लगा दी थी। हाल के चुनाव के बाद नई सरकार बनी है और कई नेताओं को जमानत मिली है। इस आदेश के बाद राजनीतिक माहौल और गर्म हो गया है।

दक्षिण अफ्रीका में पांच खनिकों की मौत की आशंका : किम्बरली, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के किम्बरली शहर में एक हीरे की खदान में भूस्खलन और पानी भरने से पांच मजदूर फंस गए थे। अब कंपनी ने कहा है कि उन्हें मृत मान लिया गया है, क्योंकि सुरंग पूरी तरह कीचड़ और पानी से भर चुकी है। यह हादसा 17 फरवरी को हुआ था। बचाव दल ने काफी कोशिश की, लेकिन अंदर पहुंचना संभव नहीं हो पाया। कंपनी ने खदान को तुरंत बंद करने और खुद को दिवालिया घोषित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

वर्ल्ड ट्रेड सेंटर का आखिरी टावर बनेगा

न्यूयॉर्क , एजेंसी। न्यूयॉर्क में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर परिसर का आखिरी ऑफिस टावर अब बनने जा रहा है। 2 वर्ल्ड ट्रेड सेंटर नाम की यह इमारत अमेरिकन एक्सप्रेस कंपनी का नया मुख्यालय बनेगी। 11 सितंबर 2001 के आतंकी हमले में पुराने टावर नष्ट हो गए थे। उसके बाद से इस जगह का पुनर्निर्माण धीरे-धीरे हो रहा है। अब लगभग 25 साल बाद आखिरी बड़ी इमारत का निर्माण शुरू होगा। यह 55 मंजिला इमारत होगी और 2031 तक तैयार होने की उम्मीद है। इसमें करीब 10,000 कर्मचारी काम कर सकेंगे। न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचुल ने इसे शहर के लिए बड़ा कदम बताया है। कंपनी ने कहा कि यह उनके भविष्य में निवेश है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने धोखाधड़ी रोकने के लिए जस्टिस डिपार्टमेंट में नया नेशनल फ्रॉड एन्फोर्समेंट डिवीजन बनाने की घोषणा की है। इस विभाग का नेतृत्व कॉलिन मैकडोनाल्ड करेंगे। ट्रंप ने हाल में कहा था कि सरकार 'फ्रॉड के खिलाफ युद्ध' छेड़ रही है। खासकर मिनेसोटा में अरबों डॉलर की कथित धोखाधड़ी की जांच को लेकर सख्ती दिखाई जा रही है। हालांकि कुछ आलोचकों का कहना है कि पहले से ही फ्रॉड मामलों के लिए विभाग मौजूद है, फिर नया विभाग बनाने की जरूरत क्यों है। सुनवाई के दौरान मैकडोनाल्ड ने कहा कि वे बिना किसी डर या पक्षपात के कानून के अनुसार काम करेंगे। इस फैसले को लेकर अमेरिका में बहस जारी है।

नॉर्वे के राजा अस्पताल में भर्ती : ओस्लो, एजेंसी। नॉर्वे के 89 वर्षीय राजा हेराल्ड पंचम को स्पेन के टेनेरिफे द्वीप पर अस्पताल में भर्ती किया गया है। वे अपनी पत्नी क्वीन सोन्या के साथ छुट्टी मनाने गए थे। डॉक्टरों ने बताया कि उनके पैर में त्वचा का संक्रमण हो गया है, जिसके इलाज के लिए उन्हें कुछ दिन और अस्पताल में रहना होगा। राजमहल की ओर से कहा गया है कि उनकी सेहत फिलहाल स्थिर है और वे इलाज का अच्छा असर दिखा रहे हैं। डॉक्टर ने यह भी कहा कि 90 साल के करीब उम्र में संक्रमण गंभीर हो सकता है, इसलिए पूरी जांच के बाद ही उन्हें छुट्टी दी जाएगी। दो साल पहले भी वे मलयेशिया में छुट्टियों के दौरान बीमार पड़े थे और उन्हें अस्थायी पेसमेकर लगाया गया था। बाद में नॉर्वे लौटकर स्थायी पेसमेकर लगाया गया। राजा हेराल्ड 1991 से नॉर्वे के राजा हैं।

कमला हैरिस ने डोनाल्ड ट्रंप के स्टेट ऑफ द यूनियन भाषण को 'झूठ से भरा' बताया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के स्टेट ऑफ द यूनियन भाषण की कड़ी आलोचना करते हुए झूठा बताया। साथ ही ट्रंप पर अर्थव्यवस्था, मतदान के अधिकार और ईरान के मुद्दों पर अमेरिकियों को गुमराह करने का आरोप लगाया। ट्रंप के भाषण के एक दिन बाद हैरिस ने बुधवार को 'द परनास पर्सपेक्टिव' के होस्ट एरॉन परनास के सबस्टैक शो में कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप का भाषण देखा, जो आम परिवारों की वास्तविकताओं से बिल्कुल अलग था। हैरिस ने ट्रंप के इस दावे को खारिज कर दिया कि देश की स्थिति मजबूत है। उन्होंने कहा, ''बहुत से लोग बढ़ती कीमतों, महंगी स्वास्थ्य सेवाओं और महंगे आवास के बोझ तले दबे हुए हैं।

दक्षिणी राज्यों की अपनी हालिया यात्राओं का जिक्र करते हुए, उन्होंने मिसिसिपी में एक ऐसी मां से मिलने का किस्सा सुनाया, जिसका चार लोगों के लिए साप्ताहिक राशन बजट सिर्फ 150 डॉलर था। हैरिस ने बताया, 'कार्ट में जो कुछ भी था, वह उसके बच्चों के लिए था। मां ने उनसे कहा कि वह 'जो कुछ भी उनके बच्चे नहीं खाएंगे, वह खा लेंगी।' वह बोतलबंद पानी लेने के लिए पैदल चलकर गई। वह नल का पानी नहीं पी सकती, क्योंकि पानी भूरा और जहरीला है। हैरिस ने प्रस्तावित खर्च प्राथमिकताओं की भी आलोचना की। उन्होंने पूछा, ''जब आप मेडिकेड में 1 ट्रिलियन डॉलर की कटौती करते हैं, तो कौन शोर मचा रहा है? मतदान अधिकारों पर हैरिस ने सेव अधिनियम का कड़ा विरोध किया, जिसे ट्रंप ने कांग्रेस से पारित करने का आग्रह किया था। उन्होंने तर्क दिया कि इस विधेयक के तहत लोगों को मतदान पंजीकरण के लिए जन्म प्रमाण पत्र या पासपोर्ट दिखाना अनिवार्य होगा, जबकि लगभग 40 प्रतिशत अमेरिकियों के पास ये दस्तावेज नहीं हैं। हैरिस ने ईरान के साथ बढ़ते तनाव पर चिंता व्यक्त की और कहा कि अब वह इस क्षेत्र में अमेरिकी सैनिकों को भेज रहे हैं, जिससे यह पूरी तरह से संभव है कि अमेरिकी पुरुषों और महिलाओं को युद्ध में तैनात किया जाएगा।

हैरिस ने आगे कहा, 'अमेरिकी जनता युद्ध नहीं चाहती और न ही चाहती है कि हमारे बेटे-बेटियों को ऐसी कार्रवाई शुरू करने के लिए भेजा जाए, जिसे टाला जा सकता है।' उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी सहयोगी राष्ट्रपति के कदम से सहमत नहीं हैं। इस तरह गठबंधनों का कमजोर होना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अच्छा संकेत नहीं है।

गूगल का चीन के वैश्विक जासूसी नेटवर्क का खुलासा, 53 देशों में की थी साइबर हमलों की कोशिश

न्यूयॉर्क, एजेंसी। तकनीकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी गूगल ने एक बेहद संगठित और खतरनाक अंतरराष्ट्रीय साइबर जासूसी नेटवर्क को ध्वस्त करने का दावा किया है। बुधवार को गूगल ने बताया कि चीन से जुड़े एक हैकिंग समूह यूएनसी2814 (जिसे गैलियम भी कहा जाता है) ने दुनिया भर के 42 देशों के कम से कम 53 प्रमुख संगठनों के डेटा में सेंध लगाई थी।

गूगल थ्रेट इंटेलिजेंस ग्रुप के मुख्य विश्लेषक जॉन हल्टक्विस्ट ने कहा कि यह एक विशाल जासूसी तंत्र था, जिसका उद्देश्य वैश्विक स्तर पर व्यक्तियों और विशिष्ट संस्थानों की निगरानी करना था। यह समूह लगभग एक दशक से सक्रिय है।

गूगल का दावा: किसी उत्पाद की तकनीकी खामी नहीं... वैसे, गूगल ने स्पष्ट किया कि यह किसी उत्पाद की तकनीकी खामी नहीं, बल्कि प्लेटफॉर्म का दुरुपयोग था। हैकरों ने ग्रिडटाइड नामक एक गुप्त बैकडोर स्थापित किया था, जिससे उन्हें लोगों के नाम, फोन नंबर, जन्म तिथि, मतदाता पहचान पत्र और नेशनल आईडी जैसे बेहद निजी डेटा तक पहुंच मिल गई थी।

कॉल डेटा रिकॉर्ड की चोरी करना था उद्देश्य : हल्टक्विस्ट ने कहा कि जासूसी नेटवर्क विशेष रूप से सरकारी संस्थाओं और दूरसंचार कंपनियों को अपना निशाना बनाता रहा है। हालांकि, गूगल ने तत्काल कार्रवाई करते हुए हैकिंग समूह की ओर से नियंत्रित क्लाउड प्रोजेक्ट को बंद कर दिया है और उनके इंटरनेट बुनियादी ढांचे को निष्क्रिय कर दिया है। हमलों का उद्देश्य कॉल डाटा रिकॉर्ड और एसएमएस संदेशों की चोरी करना था।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति बोले- ईरान आतंकवाद का सबसे बड़ा गढ़

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में अमेरिकी वॉरशिप और सैनिकों की तैनाती के बीच उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने ईरान को सख्त संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका की कूटनीति को कमजोरी न समझा जाए और जरूरत पड़ी तो सैन्य विकल्प भी इस्तेमाल होगा। वेंस ने कहा कि सैन्य कार्रवाई की धमकियों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। फॉक्स न्यूज से बातचीत में वेंस ने कहा- हमें ऐसी स्थिति में पहुंचना होगा जहां ईरान, जो दुनिया में आतंकवाद का सबसे बड़ा गढ़ है, परमाणु आतंकवाद से दुनिया को धमकी न दे सके। सनकी, क्रूर और दुनिया के सबसे खतरनाक शासन को परमाणु हथियार रखने की इजाजत नहीं दी जा सकती।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प कूटनीतिक समाधान चाहते हैं, लेकिन उनके पास अन्य विकल्प भी मौजूद हैं और वे उनका इस्तेमाल करने की इच्छा दिखा चुके हैं। ट्रम्प ने बुधवार को संसद में अपने संबोधन के दौरान आरोप लगाया था कि ईरान अमेरिका तक मार करने में सक्षम मिसाइलें विकसित कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान पिछले साल अमेरिकी हमलों के बाद अपने परमाणु कार्यक्रम को दोबारा खड़ा करने की कोशिश कर रहा है।

वेंस बोले- बातचीत का अंतिम फैसला ट्रम्प के हाथ में है जब वेंस से पूछा गया कि क्या ईरान के सर्वोच्च नेता को हटाना भी अमेरिका का लक्ष्य है, तो उन्होंने कहा कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए अंतिम फैसला राष्ट्रपति ट्रम्प करेंगे। वेंस ने कहा कि बातचीत कितने समय तक जारी रखनी है, इसका अंतिम फैसला राष्ट्रपति ट्रम्प करेंगे। उन्होंने कहा- हम कोशिश जारी रखेंगे। लेकिन राष्ट्रपति के पास यह अधिकार है कि वे तय करें कि कूटनीति अपनी सीमा तक पहुंच गई है या नहीं। हमें उम्मीद है कि इस बार बातचीत बुरे अंजाम तक नहीं पहुंचेगी, लेकिन अगर पहुंचती है तो फैसला राष्ट्रपति ही करेंगे। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, ईरान अगले दो हफ्तों में ज्यादा बड़ा प्रस्ताव देगा, जिससे दोनों पक्षों के बीच मतभेद कम किए जा सकें।

ब्राजील में भीषण बाढ़ से हाहाकार, अब तक 46 लोगों की मौत; विचलित कर रहा मंजर

रियो डी जेनेरियो, एजेंसी। दक्षिण अमेरिकी देश ब्राजील में कुदरत का भयानक कहर देखने को मिल रहा है। दक्षिण-पूर्व ब्राजील में भीषण बाढ़ से लगातार मृतकों का आंकड़ा बढ़ रहा है। अब तक 46 लोगों की मौत हो गई। कई लोग लापता है, जिनको तलाश जारी है। वहीं सैकड़ों लोग अपने घरों को छोड़ने के लिए मजबूर है। दक्षिणपूर्वी ब्राजील के मिनास गेरैस राज्य में आई भीषण बाढ़ में लगातार मृतकों का आंकड़ा बढ़ रहा है।

भारी बारिश और अचानक आई बाढ़ से हाहाकार : ब्राजील के दक्षिणी भाग में भारी बारिश और अचानक आई बाढ़ से तबाही मचने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 46 हो गई है। मौसम वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि अगले कुछ दिनों में इस क्षेत्र में और अधिक बारिश होने की आशंका है। इधर, मिनास गेरैस राज्य में बचाव अभियान जारी है। बचाव कर्मचारी स्थिति पर काबू पाने के लिए कोशिश कर रहे हैं। बचाव अभियान पूरी तेजी से जारी है और घर व कस्बे कीचड़ और मलबे से ढके हुए हैं।

अब तक 3600 लोग विस्थापित : इससे पहले बुधवार को ब्राजील के अग्निशमन विभाग ने मृतकों की संशोधित संख्या प्रकाशित की और बताया कि लगभग 21 लोग अभी भी लापता हैं। राज्य अग्निशमन विभाग द्वारा बुधवार को जारी आंकड़ों के अनुसार ब्राजील के दक्षिणपूर्वी राज्य मिनास गेरैस में भारी बारिश से मरने वालों की संख्या बढ़कर 46 हो गई है। दमकल विभाग ने बताया कि लगभग 110 किलोमीटर (68 मील) की दूरी पर स्थित जुइज डे फोरा और उबा शहरों में बाढ़ और भूस्खलन के कारण लगभग 3,600 लोग विस्थापित हो गए, जबकि 21 लोग अभी भी लापता हैं।

11 वर्षीय लड़के का किया अंतिम संस्कार : मृतकों में 11 वर्षीय बर्नार्डो लोपेस दुत्रा भी शामिल था, जिसका घर बारिश के कारण ढह गया था। वहीं दुत्रा की पत्नी और बेटी अभी भी अस्पताल में भर्ती हैं। पिता रिकार्डो दुत्रा ने जुइज डी फोरा ने अंतिम संस्कार के दौरान कहा कि यह एक ऐसी त्रासदी है, जिसकी किसी को उम्मीद नहीं थी। उन्होंने बर्नार्डो को एक बड़े दिल वाला लड़का बताया, जिसने अपने अनोखे अंदाज में अपने आस-पास के सभी लोगों को प्रभावित किया। इधर, ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने मंगलवार को कहा कि सुरक्षा बलों को बचाव अभियान में लगाया गया है और वे बारिश से प्रभावित आबादी को तत्काल सहायता प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि स्वास्थ्य देखभाल दल भी उस क्षेत्र में भेजे गए हैं, जो पहाड़ियों, घाटियों और ढलानों के निकट स्थित है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

1000 करोड़ का ठग दुबई से गिरफ्तार : ईडी नसीम को लखनऊ लाएगी

लखनऊ (एजेंसी)। शाइन सिटी समूह के प्रमोटर और करीब 1000 करोड़ रुपये की कथित ठगी के मुख्य आरोपी राशिद नसीम को दुबई पुलिस ने गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई भारतीय एजेंसियों के अनुरोध पर की गई। अब प्रर्वतन निदेशलय (ईडी) की टीम नसीम को दुबई से लखनऊ लाने की तैयारी में है। लगभग 10 महीने पहले लखनऊ की विशेष अदालत ने राशिद को भगौड़ा घोषित किया था। राशिद नसीम और उसकी कंपनियों के खिलाफ उत्तर प्रदेश में करीब 554 एफआईआर दर्ज हैं। आरोप है कि निवेश के नाम पर लोगों से 800 से 1000 करोड़ रुपये तक की ठगी की गई। निवेशकों को ऊंचे और आकर्षक रिटर्न का लालच दिया गया, लेकिन 2019 में राशिद देश छोड़कर दुबई फरार हो गया। दुबई पुलिस ने ईडी और ईओडब्ल्यू के अनुरोध पर नसीम को गिरफ्तार किया। संयुक्त अरब अमीरात में भारतीय एजेंसियों के समन्वय से उसकी लोकेशन ट्रेस की गई थी। सरकारी एजेंसियां पहले ही राशिद और उससे जुड़ी कंपनियों की सैकड़ों करोड़ रुपये की संपत्तियां जब्त कर चुकी हैं। 2021 में सामने आए ऑडियो में राशिद ने दावा किया था कि सरकार उसकी करीब 500 करोड़ रुपये की संपत्ति कब्जे में ले चुकी है, जिसकी मौजूदा कीमत करीब 1000 करोड़ रुपये बताई जाती है। उसी ऑडियो में करीब 300 करोड़ रुपये किसानों और ब्रोकरों के बीच फंसे होने की बात कही गई थी। जमीन सौदों में विवाद और कुछ दलालों के फरार होने से कंपनी कानूनी उलझनों में घिरी रही। हालांकि जांच एजेंसियां इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि कर रही हैं। राशिद और उसके भाई आसिफ पर गृह विभाग ने 5-5 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। पहले यह इनाम 50-50 हजार रुपये था। कंपनी से जुड़े पांच अन्य आरोपियों पर भी एक-एक लाख रुपये का इनाम रखा गया है। आसिफ को पहले ही प्रयागराज से गिरफ्तार किया जा चुका है। कोर्ट के आदेश पर ईओडब्ल्यू और ईडी जांच आगे बढ़ा रहे हैं। जांच एजेंसियों का दावा है कि राशिद दुबई में बैठकर पूरे नेटवर्क को संचालित कर रहा था। 2018 में नेपाल में गिरफ्तारी और जमानत के बाद वह दुबई पहुंचा था। अब उसकी गिरफ्तारी के बाद बड़े वित्तीय नेटवर्क और ठगी की रकम विदेश भेजने के चैनलों का खुलासा होने की उम्मीद है।

केजरीवाल को मिली राहत, तेजस्वी ने कहा... दिल्ली में फिर से चुनाव कराए जाएं

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजधानी पटना से नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव दिल्ली के लिए रवाना हुए। दिल्ली जाने से पहले तेजस्वी ने आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजीरवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को कथित शराब नीति मामले में कोर्ट से राहत मिलने पर प्रतिक्रिया दी। तेजस्वी ने कहा कि, 'इस फैसले से बीजेपी का चाल, चरित्र और चेहरा उजागर हो गया है। यह साफ हो गया है कि किस तरह विपक्षी नेताओं पर राजनीतिक दुर्भावना से मुकदमे होते हैं।' तेजस्वी ने आरोप लगाया कि, 'केंद्र संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग अपने चुनावी फायदे के लिए कर रही है। जांच एजेंसियों का इस्तेमाल विपक्ष की आवाज दबाने के लिए हो रहा है।' उन्होंने मांग किया है कि दिल्ली में फिर से चुनाव कराए जाएं। तेजस्वी ने कहा कि, 'सिर्फ केजरीवाल ही नहीं, बल्कि पिता लालू यादव और राहुल गांधी के खिलाफ भी राजनीतिक साजिश के तहत कार्रवाई की गई। उन्होंने भरोसा जताया कि वे और उनकी पार्टी भी कानूनी लड़ाई मजबूती से लड़ रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि न्यायपालिका से उन्हें भी इंसाफ मिलेगा। उन्होंने कहा कि, 'लोकतंत्र में न्यायपालिका पर जनता का विश्वास सबसे बड़ा सहारा है और सच की जीत तय है।'

माफिया मुख्तार अंसारी के शूटर शोएब किदवई की गोली मारकर हत्या... बाइक सवार हमलावार फरार

बाराबंकी (एजेंसी)। बाराबंकी में माफिया मुख्तार अंसारी के शूटर शोएब किदवई उर्फ बॉबी की गोली मारकर हत्या की गई। वारदात शुक्रवार दोपहर डेढ़ बजे हुई, जब वहां कार से लखनऊ से बाराबंकी जा रहा था। तभी दो बाइक सवार बदमाश आ गए। जब तक शोएब कुछ समझ पाता, उससे पहले ही पिस्टल से अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी गई। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, शोएब पर 15 से ज्यादा गोलियां चलाई गईं। वारदात के बाद हमलावर अयोध्या की तरफ फरार हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल पहुंची और शोएब को अस्पताल ले आई, जहां डॉक्टरों ने शोयब को मृत घोषित किया। वारदात लखनऊ-अयोध्या हाईवे पर असेनी मोड़ के पास हुई। कार पर जगह-जगह बुलेट के निशान हैं। पुलिस ने घटनास्थल को सील किया है। फॉरेंसिक टीम मौके से साक्ष्य जुटाया है। बॉबी पर हत्या, रंगदारी और गैंगवार से जुड़े 12 मुकदमे दर्ज थे। सूत्रों के मुताबिक, मुख्तार की मौत के बाद गैंग के भीतर वर्चस्व की लड़ाई और आपसी रंजिश चल रही थी। शोएब वकील भी था। करीब 15 साल से कचहरी में वकालत कर रहा था। हत्या के विरोध में वकीलों ने पहले जिला अस्पताल में हंगामा किया। काफी देर तक जिला अस्पताल में हंगामा करने के बाद वकीलों ने बस अड्?डे के सामने सड़क पर जाम लगा दिया।

चंडीगढ़ में स्कूलों और सचिवालय को बम से उड़ाने की धमकी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। शहर में कई शिक्षण संस्थानों और पंजाब सचिवालय को बम धमाके की धमकी देने वाले ईमेल मिलने से हड़कंप मच गया। धमकी में अगले दो दिनों में बम फोड़ने की चेतावनी दी गई थी। ईमेल में प्रमुख निशाना बनाए गए स्कूल थे डीपीएस स्कूल, संत कबीर स्कूल और विवेक हाई स्कूल सेक्टर-38। धमकी मिलते ही स्कूलों के प्रशासन ने तुरंत पुलिस को सूचित किया। इसके बाद पुलिस, बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड मौके पर पहुंचे। स्कूल परिसरों को खाली कराया गया और आसपास के क्षेत्रों में सघन तलाशी अभियान चलाया गया। अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। प्रारंभिक जांच में किसी भी प्रकार की संदिग्ध वस्तु नहीं पाई गई। पुलिस की साइबर सेल ईमेल भेजने वाले की पहचान करने में जुटी हुई है। सचिवालय परिसर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और आने-जाने वालों की सख्ती से जांच की जा रही है। पुलिस ने आम नागरिकों और अभिभावकों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी संदिग्ध सूचना की तुरंत पुलिस को सूचना दें। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया गया है और अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। करीब एक महीने पहले भी शहर के लगभग 30 स्कूलों को इसी तरह धमकी ईमेल प्राप्त हुई थी।

अमेरिकी वाणिज्य सचिव अचानक पहुंचे नई दिल्ली, पीयूष गोयल के साथ की लंच मीटिंग

-बैठक का मुख्य फोकस दोनों देशों के बीच व्यापार और आर्थिक साझेदारी को मजबूत करना था

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वैश्विक टैरिफ के फैसले को अमान्य घोषित किए जाने के कुछ ही दिनों बाद, अमेरिकी वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक ने नई दिल्ली का अचानक दौरा किया। गुरुवार को उन्होंने भारतीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के साथ लंच पर मीटिंग की। इस बैठक का मुख्य फोकस दोनों देशों के बीच व्यापार और आर्थिक साझेदारी को मजबूत करना था।

भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर और मंत्री पीयूष गोयल दोनों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस मुलाकात की पुष्टि की। सर्जियो गोर ने तीनों की एक तस्वीर शेयर करते हुए लिखा- हॉवर्ड लुटनिक और पीयूष गोयल के साथ एक बेहद शानदार लंच। हमारे दोनों राष्ट्रों के लिए सहयोग के ढेरों क्षेत्र मौजूद हैं। पीयूष गोयल ने बताया कि उन्होंने व्यापार और आर्थिक साझेदारी को विस्तार देने के लिए बहुत ही फलदायी चर्चा की है। अमेरिकी वाणिज्य विभाग ने कहा कि दोनों पक्षों ने अमेरिका और भारत के बीच व्यापारिक और आर्थिक संबंधों को गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की। भारतीय वाणिज्य मंत्रालय के प्रवक्ता ने इस पर तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

आधिकारिक मुलाकात के बाद लुटनिक जोधपुर के लिए रवाना हो गए। सूत्रों के मुताबिक वे वहां टेक एग्जीक्यूटिव निकेश अरोड़ा की बेटी आयशा अरोड़ा और आइस हॉकी स्टार जैक ह्यूजेस की शादी में शामिल होने गए हैं। यह बैठक भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों के लिहाज से एक बेहद नाजुक समय पर हुई है। 20 फरवरी को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट के तहत आपातकालीन शक्तियों का इस्तेमाल करके लगाए गए राष्ट्रपति ट्रंप के व्यापक टैरिफ को रद्द कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले ने भारत और अमेरिका के बीच चल रही व्यापारिक बातचीत की पूरी समय-सीमा को बदल कर रख दिया है।

संवैधानिक मामलों के विशेषज्ञ के मुताबिक टैरिफ पर भारत-अमेरिका की कोई भी द्विपक्षीय व्यवस्था अब अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा तय की गई संवैधानिक सीमाओं के भीतर ही होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि टैरिफ दरों पर सहमत होने का कार्यपालिका का अधिकार निरंकुश नहीं है, यह न्यायिक रूप से लागू करने योग्य संवैधानिक सीमाओं के अधीन है। कोई भी टैरिफ प्रतिबद्धता जो वैधानिक शक्तियों को पार करती है या संवैधानिक सीमाओं का उल्लंघन करती है, वह कानूनी रूप से टिक नहीं पाएगी और उसे रद्द किया जा सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अमेरिकी संवैधानिक ढांचे के तहत, टैरिफ तय करने का अधिकार कांग्रेस के पास है, न कि कार्यपालिका के पास।

तमिलनाडु की राजनीति में बड़ा उलटफेर, पन्नीरसेल्वम द्रमुक में शामिल

-पूर्व मुख्यमंत्री ने समर्थकों संग सीएम स्टालिन की मौजूदगी में की औपचारिक एंट्री

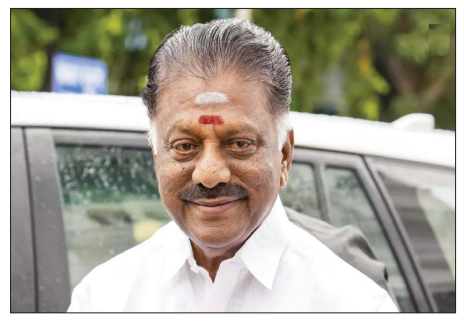

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की राजनीति में बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। राज्य के तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके ओ पनीरसेल्वम शुक्रवार को सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) में शामिल हो गए। उन्होंने मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन की मौजूदगी में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। पनीरसेल्वम को वर्ष 2022 में आल इंडिया अन्ना द्रविण मुनेत्रकणगम (अन्नाद्रमुक) से निष्कासित कर दिया गया था। वह दिवंगत नेता जे जयललिता के विश्वस्त सहयोगी माने जाते थे और पार्टी में लंबे समय तक अहम भूमिका निभाते रहे। अन्नाद्रमुक में दोबारा वापसी के उनके प्रयास पिछले तीन वर्षों में सफल नहीं हो सके। इसके बाद उन्होंने नई राजनीतिक दिशा चुनते हुए द्रमुक में शामिल होने का निर्णय लिया। उनके साथ उनके कई समर्थकों ने भी द्रमुक की सदस्यता ली। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पनीरसेल्वम के द्रमुक में आने से राज्य की सियासत में नए समीकरण बन सकते हैं। आगामी चुनावी रणनीतियों और गठबंधनों पर इसका प्रभाव पड़ना तय माना जा रहा है।

राजस्थान कांग्रेस की लीडरशिप देश की कांग्रेस नेतृत्व से बेहतर, राज्यवर्धन सिंह राठौर का तंज

जयपुर (एजेंसी)। राज्यवर्धन सिंह राठौर ने राजस्थान की राजधानी जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडिमय में मीडिया से बात कर कांग्रेस और राज्य सरकार के फैसलों पर तीखा बयान दिया। उन्होंने कहा कि राजस्थान कांग्रेस की लीडरशिप देश की कांग्रेस नेतृत्व से बेहतर है। उनके अनुसार यदि राजस्थान के कांग्रेस नेता राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी की कमान संभाल लें, तब शायद कांग्रेस की स्थिति बेहतर हो सकती है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व कमजोर हो चुका है और इसका असर पूरे संगठन पर दिखाई देता है।

राठौड़ ने पंचायत और निकाय चुनाव में दो से अधिक बच्चों वाले उम्मीदवारों पर लगी पाबंदी हटाने के फैसले का बचाव किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह नियम करीब 30 साल पहले परिवार नियोजन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से लागू हुआ था। उनका कहना था कि उस समय जनसंख्या नियंत्रण को लेकर जागरूकता फैलाने की जरूरत थी, लेकिन अब समाज में पर्याप्त जागरूकता आ चुकी है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब देश के अन्य राज्यों में ऐसा कोई कानून लागू नहीं है, तब केवल राजस्थान में ही इस कानून को जारी रखने का औचित्य क्या है।

विपक्ष द्वारा लगाए जा रहे आरोपों पर प्रतिक्रिया देकर राठौड़ ने कहा कि भजनलाल सरकार की मंशा जनसंख्या बढ़ाने की नहीं है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अगर ऐसा होता, तब भजनलाल सरकार तीन बच्चों वाले माता-पिता को ही चुनाव लड़ने की अनुमति देती, जिससे जनसंख्या तेजी से बढ़ती। उन्होंने विपक्षी नेताओं पर गलत बयानबाजी का आरोप लगाते हुए कहा कि उनके पास ठोस मुद्दों का अभाव है। इसके अलावा उन्होंने राजस्थान में आईपीएल के मुकाबलों के आयोजन को लेकर भी सकारात्मक रुख जताया। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार ने आवश्यक कदम उठाए हैं और अन्य खेल आयोजनों की तरह आईपीएल मैचों के सफल आयोजन की पूरी संभावना है।

फिर से सत्ता में लौटने के लिए ममता ने साध लिए युवा और महिला वोटर... दो योजनाएं बनेगी चुनाव में गेंमचेंजर

कोलकत्ता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की तैयारी जोरों पर जारी है। राज्य में मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ ममता बनर्जी की ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के बीच दिख रहा है। 294 सदस्यीय विधानसभा में टीएमसी की मजबूत पकड़ है, जबकि भाजपा 77 सीटों के साथ दूसरी सबसे बड़ी पार्टी है। अन्य वाम दलों और नवगठित पार्टियों का गठबंधन चुनावी समीकरण को प्रभावित कर सकता है, लेकिन असली टक्कर युवाओं और महिलाओं के वोट पर केंद्रित है।

इस लेकर ममता बनर्जी ने इस बार दो प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से राजनीतिक मोर्चा मजबूत किया है। पहली, पहले से चल रही 'लक्ष्मी भंडार' योजना, जो 2.42 करोड़ महिलाओं को आर्थिक सहायता देना है। इस योजना में मासिक सहायता 1,500 रुपये कर दी गई है, और 2021 में महिलाओं के समर्थन ने टीएमसी को निर्णायक बढ़त दिलाई थी। दूसरी, नई 'युवा साथी' योजना, जिसमें 21-40 वर्ष के बेरोजगार युवाओं को मासिक 1,500 रुपये दिए जाएंगे।

न्यूनतम योग्यता 10वीं पास है और आवेदन प्रक्रिया शुरू होने के नौ दिनों में करीब 78 लाख युवाओं ने आवेदन किया। विशेषज्ञ मानते हैं कि इस आयु वर्ग के मतदाता कुल वोटरों का करीब 45 प्रतिशत हो सकते हैं, जिससे योजना चुनावी समीकरण बदल सकती है।

वहीं राज्य में सियासी मुद्दों में एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) भी अहम है। भाजपा एसआईआर को अपनी रणनीति के तहत लाभकारी मानती है, जबकि ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग के द्वारा की जा रही एसआईआर प्रक्रिया को राजनीतिक साजिश बताया। उन्होंने मृत 61 लोगों के परिवारों से एक सदस्य को नौकरी देने की घोषणा कर मानवीय संदेश भी दिया। 2021 में टीएमसी को 49 प्रतिशत वोट शेयर और 213 सीटें मिली थीं, जबकि भाजपा को 38 प्रतिशत से अधिक वोट और 77 सीटें मिली थीं। इस बार भाजपा घुसपैठ और हिंदुत्व जैसे मुद्दों पर चुनाव लड़ने की तैयारी में है। वहीं, ममता की योजनाएं सीधे लाभ पर केंद्रित होने के कारण महिला और युवा वोटरों को आकर्षित करने की संभावना रखती हैं। कुल मिलाकर, पश्चिम बंगाल का आगामी चुनाव आर्थिक कल्याणकारी योजनाओं और वैचारिक मुद्दों के बीच बेहद रोचक और कड़ा मुकाबला साबित होने वाला है। ममता की दोहरी रणनीति-युवाओं और महिलाओं पर फोकस-भाजपा के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकती है और चुनावी समीकरण को नया आकार दे सकती है।

न्यायपालिका में भ्रष्टाचार पुस्तक मामले में कांग्रेस का आरोप... इसके पीछे खुद पीएम मोदी शामिल

पीएम मोदी सिर्फ दिखावे के लिए नाराजगी दिखा रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनसीईआरटी की 8वीं के किताब में एक चैप्टर को लेकर हुए विवाद में कांग्रेस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमलावार है। कांग्रेस पार्टी ने आरोप लगाया है कि न्यायपालिका में भ्रष्टाचारवाले मुद्दे पर पीएम मोदी बनावटी आक्रोश दिखाई हैं। कांग्रेस सांसद और उसके संचार विभाग के प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट की नाराजगी के बाद विवाद से अलग दिखाने की कोशिश हिपोक्रेसी के अलावा कुछ भी नहीं है।

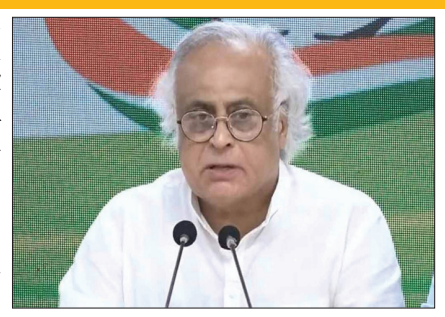

कांग्रेस नेता रमेश ने पोस्ट लिखा है, इजरायल में वास्तविक नैतिक कायरता दिखाने के बाद प्रधानमंत्री मोदी, अब एनसीईआरटी की पुस्तकों के मुद्दे पर बनावटी आक्रोश दिखा रहे हैं। साफ तौर पर डैमेज कंट्रोल की कोशिश के तहत यह संदेश दिया गया है कि वे एनसीईआरटी की पाठ्य पुस्तकों में न्यायपालिका के चैप्टर को लेकर बहुत नाखुश हैं।

दरअसल, इस तरह संकेत मिले हैं कि प्रधानमंत्री मोदी ने (सुप्रीम कोर्ट के स्वत-संज्ञान लेने से पहले) ही कैबिनेट बैठक के दौरान एनसीईआरटी की किताब में न्यायपालिका को लेकर विवादास्पद चीजें शामिल करने पर नाराजगी जाहिर कर चुके थे। सूत्रों के अनुसार पीएम मोदी ने कहा था, आठवीं क्लास के बच्चों को सोशल साइंस के पाठ्य पुस्तक में हम क्या पढ़ा रहे हैं?

लेकिन, कांग्रेस का आरोप है कि इस पूरे घटनाक्रम को लेकर खुद प्रधानमंत्री मोदी हैं। पार्टी सांसद ने लिखा है, एक दशक से उन्होंने इसतरह के शिक्षाविदों और झोला छाप अकादमिकों के नेटवर्क की अगुवाई की है, जिन्होंने अपने विचारधारात्मक वायरस से पाठ्य पुस्तकों को संक्रमित कर गंभीर नुकसान किया है। यह कोई आकस्मिक चूक नहीं, बल्कि एक सुनियोजित वैचारिक घुसपैठ अभियान का हिस्सा है...प्रधानमंत्री मोदी स्वयं नागपुर कम्युनल इकोसिस्टम फॉर रिराइटिंग ऑफ टेक्स्टबुक्स, जो असली एनसीईआरटी है, को दिशा और आकार देते रहे हैं।

कांग्रेस नेता जयराम का कहना है, सुप्रीम कोर्ट को नाराज करने वाली पाठ्य पुस्तकों से खुद को अलग दिखाने की उनकी कोशिश सिर्फ एक हिपोक्रेसी है। अब सुप्रीम कोर्ट को अगला तार्किक कदम ये उठाना चाहिए कि वह इस बात की विस्तृत जांच करवाए कि पाठ्य पुस्तकों को किस तरह से फिर से लिखा गया और वे किस तरह धुवीकरण तथा राजनीतिक हिसाब-किताब चुकाने के औजार में बदल दी गईं।

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने खुद विषय पर स्वत- संज्ञान लेकर न्यायपालिका में भ्रष्टाचार वाले चैप्टर की एनसीईआरटी की आठवीं किताब को बैन किया है। भारत के चीफ जस्टिस (सीजेआई) सूर्यकांत की अगवाई वाली बेंच ने इस विवादित किताब के किसी भी फॉर्म में सर्कुलेशन पर रोक लगा दी है और स्कूल शिक्षा सचिव और एनसीईआरटी चेयरपर्सन को नोटिस जारी कर पूछा है कि उनके खिलाफ न्यायपालिका की अवमानना की कार्रवाई क्यों न शुरू की जाए।

'झूम कर नाचों भक्तो की फागण रोज-रोज नहीं आणों'

सूरतधाम बन गया खाटूधाम

एकादशी पर लाखों लोगों ने किये दर्शन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,श्री श्याम सेवा ट्रस्ट द्वारा आयोजित फाल्गुन महोत्सव में शुक्रवार को एकादशी के दिन वीआईपी रोड़ स्थित श्री श्याम मंदिर, सुरतधाम में लाखों लोगों ने बाबा के दर्शन किये। इस मौके पर सुबह चार बजे से ही मंदिर प्रांगण पर सूरत की अनेकों धार्मिक संस्थाओं, सोसायटियों एवं परिवारों की निशान यात्रा मंदिर पहुंची। लम्बी लम्बी कतारों में भी भक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा था। सभी भक्त नाचते-गाते बाबा के दरबार में आ रहे थे। फाल्गुन की एकादशी के अवसर पर बाबा श्याम का श्रृंगार अलग-अलग राज्यों से मंगवाए गए फूलों से किया गया। इस मौके पर सम्पूर्ण मंदिर प्रांगण को बद्रीनाथ की थीम पर एवं बाबा का श्रृंगार तिरुपति की थीम पर किया गया एवं अद्भुत रोशनी की गई। इस मौके पर बाबा को छपन्न भोग का प्रसाद लगाया गया। मंदिर परिसर में पूरे दिन 'झूम कर नाचों भक्तो की फागण रोज-रोज नहीं आणों' सहित अनेकों भजनों एवं धमाल पर भक्तों ने नाच-गाकर बाबा को रिझाया। भक्तों की लम्बी कतारें देर रात तक मंदिर पर लगी रही। इस अवसर पर मंदिर के पट सम्पूर्ण दिवस और सम्पूर्ण रात्रि भक्तों के लिए खुले रहें। इस मौक़े पर ट्रस्ट के अध्यक्ष कैलाश हाकिम, सचिव राजेश दोदराजका, संरक्षक प्रकाश तोदी, पूर्व अध्यक्ष रामप्रकाश रुंगटा, कोषाध्यक्ष केदारनाथ अग्रवाल, उपाध्यक्ष कमल टाटनवाला, बसंत अग्रवाल, सहसचिव ओम सिहोटिया, दिनेश अग्रवाल, सहकोषाध्यक्ष रामोतार सिहोटिया सहित अनेकों लोग उपस्थित रहें।

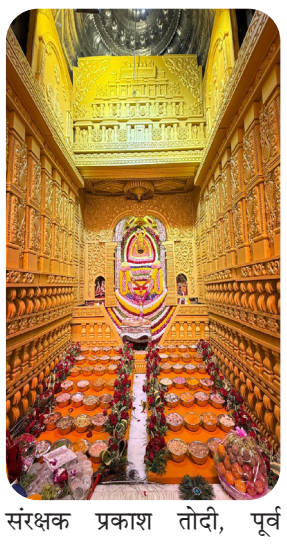

2007 के सफल फॉर्मूले के साथ 2027 में उतरेगी बसपा... मायावती का ब्राह्मण-दलित गठजोड़ पड़ेगा किस पर भारी

लखनऊ (एजेंसी)। साल 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए बहुजन समाज पार्टी ने अभी से तैयारी शुरु कर दी है। इतना ही नहीं बसपा ने प्रत्याशियों की घोषणा का काम भी शुरू कर दिया है। साल 2007 के चुनाव में मायावती ने जिस सोशल इंजीनियरिंग के दम पर यूपी की सत्ता में वापसी की थी, अब उसी फॉर्मूले को 2027 में फिर से करने की कोशिश कर रही है। 2007 में वह परंपरागत दलित वोटों के साथ-साथ ब्राह्मण वोटरों को लेकर मैदान में उतरीं और इस सोशल इंजीनियरिंग ने विपक्षी दलों को चुनावी रण में धूल चटा दी थी। अब मायावती उसी फॉर्मूले को फिर आजमाना चाहती है। मायावती पिछले 3 महीने में हुई सभी बैठकों में यह बात कहती रही हैं कि ब्राह्मण-दलित गठजोड़ के साथ वे 2027 के विधानसभा चुनाव में उतरेगी और फिर से सत्ता में पूर्ण बहुमत के साथ वापसी करेंगी।

मायावती की अगुवाई वाली बहुजन समाज पार्टी ने यूपी चुनाव के लिए पहला टिकट आशीष पांडेय को दिया है। उन्हें जालौन जिले की माधौगढ़ सीट से प्रत्याशी बनाया गया। माधौगढ़ बीएसपी का गढ़ माना जाता है। पार्टी जल्द ही चुनाव के लिए कई अन्य प्रभारियों के नाम का भी ऐलान करेगी। पार्टी सूत्रों का कहना है कि बीएसपी होली के बाद कानपुर मंडल की 5 और सीटों पर प्रभारियों की घोषणा कर सकती है। चुनाव तारीख के ऐलान से पहले घोषित प्रभारियों को ही पार्टी अपना प्रत्याशी बनाती है। कहा यह भी जा रहा है कि 2027 में बसपा 80 ब्राह्मण उम्मीदवारों को मैदान में उतार सकती है। इसका ऐलान जून तक हो सकता है।

मायावती लगातार ब्राह्मण मुद्दों पर मुखर होकर बोलती रही हैं। बीते दिनों उन्होंने कहा था कि ÷यहां सोचने की असल बात यह है कि उच्च जातियों खासकर ब्राह्मण बिरादरी को जितना आदर-सम्मान, पद और सुरक्षा सभी कुछ बीएसपी प्रमुख की ओर से पार्टी और सरकार के स्तर पर दिया गया, क्या उतना कोई दूसरी पार्टी अथवा सरकार उन्हें दे पायी है?÷ साफतौर से मायावती का यह बयान ब्राह्मण समाज को जोड़ने वाला है।

बीतें दिनों चर्चा में आई फिल्म 'घूसखोर पंडत' में ब्राह्मण समाज के कथित अपमान को लेकर मायावती ने नाराजगी जताकर आलोचना की थी। साथ ही यह मांग भी की कि इस जातिसूचक फिल्म पर केंद्र सरकार की ओर से तुरंत बैन लगा देना चाहिए। मायावती ने अपने जन्मदिन पर कहा था कि ब्राह्मणों का सम्मान नहीं हो रहा है। हालांकि समाजवादी पार्टी पूरे मामले पर चुप है और 2027 का इंतजार करने की बात कह रही है।